भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)सरकार ने अपने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों के दौरान तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है,

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:133 दिनांक:16-09-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि वह दो दिन बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे और दिल्ली में समय पूर्व चुनाव कराने की मांग करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि जब तक लोग उन्हें ''ईमानदारी का प्रमाणपत्र' नहीं दे देते, तब तक वह मुख्यमंत्री...

मोदी 3.0 में लागू होगा एक राष्ट्र-एक चुनाव

2029 तक देश में एक साथ चुनाव हो सकते हैं; कोविंद कमेटी 6 महीने पहले रिपोर्ट सौंप चुकी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल में एक राष्ट्र -एक चुनाव लागू करेगी। दरअसल मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र में भी इसका वादा किया गया था।

ऐसे में एक राष्ट्र -एक चुनाव को लेकर क्या तैयारी चल रही है। इस पर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसे इसी कार्यकाल में लागू किया जाएगा। पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्र -एक चुनाव की वकालत की थी। उन्होंनेकहाथा कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

एक राष्ट्र -एक चुनाव पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। यह 18,626 पन्नों की है। पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है।

पैनल के सुझाव...

सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए।

हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं।

पहले फेज में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं, उसके बाद दूसरे फेज में 100 दिनों के भीतर लोकल बॉडी के इलेक्शन कराए जा सकते हैं।

चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आई कार्ड तैयार करेगा।

कोविंद पैनल ने एकसाथ चुनाव कराने के लिए उपकरणों, जनशक्ति और सुरक्षा बलों की एडवांस प्लानिंग की सिफारिश की है।

अभी ऐसी है एक राष्ट्र -एक चुनाव की संभावना एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। साथ ही इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

पहला चरण: 6 राज्य, वोटिंग: नवंबर 2025 में

बिहार: मौजूदा कार्यकाल पूरा होगा। बाद का साढ़े तीन साल ही रहेगा।

असम, केरल, तमिलनाडु, प. बंगाल और पुडुचेरी मौजूदा कार्यकाल 3 साल 7 महीने घटेगा। उसके बाद का कार्यकाल भी साढ़े 3 साल होगा।

दूसरा चरण: 11 राज्य, वोटिंग: दिसंबर 2026 में

उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पंजाब व उत्तराखंड: मौजूदा कार्यकाल 3 से 5 महीने घटेगा। उसके बाद सवा दो साल रहेगा।

गुजरात, कर्नाटक, हिमाचल, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा: मौजूदा कार्यकाल 13 से 17 माह घटेगा। बाद का सवा दो साल रहेगा।

इन दो चरणों के बाद देश की सभी विधानसभाओं का कार्यकाल जून 2029 में समाप्त होगा। सूत्रों के अनुसार, कोविंद कमेटी विधि आयोग से एक और प्रस्ताव मांगेगी, जिसमें स्थानीय निकायों के चुनावों को भी शामिल करने की बात कही जाएगी।

पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेनों को दिखई हरी झंडी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह छह नई वंदे भारत ट्रेनों को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन 06 वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के साथ ही इनकी संख्या 54 से बढ़कर 60 पर पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितंबर की सुबह वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर छह नई वंदे भारत ट्रेनों को रवाना किया। रेलवे मंत्रालय ने बताया, कि इन नई ट्रेनों के चलने से संपर्क सुविधा, सुरक्षित यात्रा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इन नई 06 वंदे भारत ट्रेनों के शुरु होने के साथ ही इनकी कुल संख्या 54 से बढ़कर 60 हो गई है। मंत्रालय के मुताबिक ये वंदे भारत ट्रेनें प्रतिदिन 120 फेरे लेंगी और 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 280 से अधिक जिलों को जोड़ने का काम करेंगी।

नई वंदे भारत ट्रेनों का मार्ग

नई वंदे भारत ट्रेनें, जो 06 नए मार्गों को कवर करने वाली हैं उनमें, टाटानगर-पटना, ब्रह्मपुर-टाटानगर, राउरकेला-हावड़ा, देवघर-वाराणसी, भागलपुर-हावड़ा और गया-हावड़ा मार्ग हैं। इस प्रकार आज रविवार को 06 वंदे भारत ट्रेने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए यात्रियों के सफर को आसान करने जा रही हैं। यहां बताते चलें कि देश में पहली वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी।

अब हर डॉक्टर की होगी एक अलग पहचान

एनएमसी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में अब हर डॉक्टर की एक अलग पहचान होगी। उन्हें एक यूनिक आईडी नंबर दिया जाएगा। सरकार ने सभी डॉक्टरों के लिए नेशनल मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। डॉक्टरों को एमबीबीएस सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन और आधार कार्ड सबमिट करना होगा। इस पोर्टल को नेशनल मेडिकल कमीशन ने तैयार किया है।

नेशनल मेडिकल कमीशन ने हाल ही में एक नोटिस जारी किया था। इसमें लिखा था, इंडियन मेडिकल रजिस्टर में रजिस्टर्ड सभी एमबीबीएस डॉक्टरों को अब नेशनल मेडिकल रजिस्टर में भी रजिस्ट्रेशन करना होगा। इस पोर्टल से देश के सभी मेडिकल कॉलेज/इंस्टीटयूट, स्टेट मेडिकल काउंसिल भी जुड़े होंगे। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए डॉक्टरों को अपनी आधार आईडी, एमबीबीएस डिग्री सर्टिफिकेट की एक डिजिटल कॉपी और स्टेट मेडिकल काउंसिल/मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मिले सर्टिफिकेट की कॉपी सबमिट करनी होगी। बाकी जानकारी खुद से दर्ज करनी होगी।

एक बार फॉर्म भरने के बाद यह वैरिफिकेशन के लिए संबंधित स्टेट मेडिकल काउंसिल को भेजा जाएगा। स्टेट काउंसिल फिर इस आवेदन को आगे रिव्यू के लिए संबंधित कॉलेज या संस्थान को भेज देगा। वैरिफिकेशन के बाद एप्लीकेशन नेशनल मेडिकल कमीशन को भेज दी जाएगी। एनएमसी इसे वैरिफाई करके पोर्टल पर लाइव कर देगा। डॉक्टरों की सही जानकारी मिल सकेगी

नेशनल मेडिकल कमीशन के एक अधिकारी के मुताबिक, आज तक हमारे पास ऐसा कोई डेटा नहीं था, जो यह बता सके कि देश में कुल कितने डॉक्टर हैं। हालांकि, एक अनुमानित संख्या है, लेकिन सही आंकड़े अब पता चलेंगे। इसके अलावा कितने डॉक्टरों ने देश छोड़ दिया। कितने डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द हुआ। कितने डॉक्टरों की जान गई। ये सारी जानकारी अब एक पोर्टल पर दिखेगी। अधिकारी के मुताबिक, करीब 13 लाख से ज्यादा डॉक्टर इससे जुड़ सकते हैं।

आम लोग भी देख सकेंगे डेटा

नेशनल मेडिकल कमीशन के सचिव डॉ. बी श्रीनिवास ने कहा, पोर्टल पर तत्काल प्रभाव से डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन शुरु हो गया है। इसमें कुछ डेटा आम लोगों को दिखाई देंगा। बाकी जानकारी नेशनल मेडिकल कमीशन, स्टेट मेडिकल काउंसिल, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जॉमिनेशन, एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड और मेडिकल इंस्टीटयूट को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार दिखाई देंगे।

'गाने-नाचने से कोई आंदोलन सफल नहीं होता', डॉक्टरों के प्रदर्शन पर टीएमसी विधायक का विवादित बयान

कोलकाता : टीएमसी विधायक तपस चटर्जी को एक वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि संगीत की धुन पर तालियां बजाने और नाचने से आंदोलन सफल नहीं होगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों में नारेबाजी, सड़क पर नाटक और सामूहिक गाने शामिल हैं।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक तपस चटर्जी ने रविवार को डॉक्टरों के आंदोलन पर विवादित टिप्पणी की, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। चटर्जी ने कहा कि सिर्फ तालियां बजाना और संगीत पर नाचना किसी आंदोलन को सफल नहीं बना सकता है। एक सच्चे आंदोलन में अधिक गंभीर गतिविधियां होनी चाहिए।

राजारहा-न्यू टाउन के विधायक चटर्जी ने अपने इलाके में एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। इस दौरान एक वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि संगीत की धुन पर तालियां बजाने और नाचने से आंदोलन सफल नहीं होगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों में नारेबाजी, सड़क पर नाटक और सामूहिक गाने शामिल हैं। यह आंदोलन हाल ही में चर्चाओं में गया है और डॉक्टर पिछले छह दिनों से साल्ट लेक क्षेत्र में स्वास्थ्य भवन के बाहर धरना दे रहे हैं।

वहीं, डॉक्टरों ने चटर्जी के बयान की निंदा की है। जूनियर डॉक्टर फोरम के अधिकारी अनिकेत मेहता ने पीटीआई से कहा, हम पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं और आम लोगों का समर्थन हासिल कर रहे हैं। हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती। हमारे आंदोलन को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने जूनियर डॉक्टरों की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात पर कहा, ठहमारी मुख्यमंत्री नहीं चाहती हैं कि डॉक्टरों के साथ जो समस्या है उसका समाधान हो... जूनियर डॉक्टरों ने अपनी 5 मांगें रखी हैं उस पर उन्हें(ममता बनर्जी) कार्रवाई करनी होगी। कम से कम एक मांग को तो पूरा करें तभी जाकर यह वार्ता सफल और सार्थक साबित होगी।

आरजी कर कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और पुलिस अधिकारी अभिजीत मंडल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ी गिरफ्तारी है। हम सब उन लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे, जिन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ की। एक एएसआई इतना बड़ा फैसला नहीं ले सकता। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

राजस्थान के सिरोही में जीप और ट्रक की टक्कर; आठ लोगों की मौत,18 अन्य घायल

जयपुर: पिंडवाड़ा पुलिस थाने के प्रभारी हमीर सिंह ने कहा कि खचाखच भरी जीप एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें पांच पुरुष, एक बच्चे और दो महिलाओं की मौत हो गई।

राजस्थान के सिरोही जिले के पिंडवाड़ा इलाके में रविवार रात एक जीप और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में दो महिलाओं और एक बच्चे सहित आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि, अन्य 18 लोग घायल हो गए। हादसा जीप के गलत दिशा में चलने की वजह से बताया जा रहा है। घटना के समय जीप खचाखच भरी हुई थी। सिरोही के एसपी अनिल कुमार ने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस फिलहाल उस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है, जिसने इस हादसे को अंजाम दिया। घायलों ने पुलिस को बताया कि पीछे से टक्कर लगने के बाद कार बुरी तरह पिचक गई और सड़क से उतरकर झाड़ियों में जा गिरी।

बूंदी की एएसपी उमा शर्मा ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार गांव हिंडोली के पास मिली। कार में लोग फंसे हुए थे, जबकि कुछ लोग बाहर पड़े हुए थे।

विशाखापत्तनम में सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी-विनेत्र नौसेना में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। कलवरी सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी (विनेत्र) को 13 सितंबर, 2024 को पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर द्वारा आईएनएस सातवाहन, विशाखापत्तनम में शामिल किया गया। इसका उद्देश्य संकटग्रस्त कलवरी-श्रेणी की पनडुब्बी से चालक दल की भागने की क्षमताओं को बढ़ाना है। इसे स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है। यह रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इसका निर्माण टर्नकी परियोजना के रूप में मैसर्स एलएंडटी डिफेंस ने किया है। कलवरी सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी पांच मीटर के एस्केप टॉवर से सुसज्जित है। इस अत्याधुनिक ट्रेनिंग फैसिलिटी का उपयोग कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के चालक दल को बेसिक और रिफ्रेशर दोनों प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पनडुब्बी संकट की स्थिति में वे बच निकलने की कला में कुशल हो जाएं।

मणिपुर प्रदर्शनकारियों के पास हाईटेक हथियार,20 सितंबर तक इंटरनेट बंद

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान अत्याधुनिक हथियारों के इस्तेमाल पर रविवार को चिंता जताई। डीआइजी (रेंज 1) हीरोजीत सिंह ने कहा कि प्रदर्शनकारी स्वचालित हथियारों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे पास विरोध प्रदर्शनों के दौरान स्वचालित हथियारों से फायरिंग किए जाने का साक्ष्य है। खाबेइसोई में हाल ही में स्वचालित हथियारों से की गई गोलीबारी में इंफाल ईस्ट कमांडो के एक अधिकारी और एक अन्य कर्मी घायल हो गए।

मणिपुर सरकार ने रविवार को पांच जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध को पांच दिनों के लिए यानी 20 सितंबर तक बढ़ा दिया जबकि चार जिलों में सुबह कुछ घंटों के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई। गृह विभाग ने प्रतिबंध को बढ़ाने वाले आदेश में कहा कि मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

डीआइजी ने कहा कि हम लोगों से अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक और अहिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने का आग्रह करते हैं। पुलिस को निशाना बनाने के उद्देश्य से किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों को तुरंत बंद किया जाए। कानून-व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है।

भारत आने से पहले मुइज्जू ने चीन से किया समझौता, बढ़ सकता है तनाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू जल्द ही भारत दौरे पर आ सकते हैं। इसे भारत के साथ मालदीव के रिश्ते सुधारने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। यह दौरा इसलिए भी अहम है कि इसी साल मालदीव के नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों के चलते दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई थी। उस विवाद के बाद मुइज्जू की भारत में द्विपक्षीय वार्ता के लिए यह पहला दौरा होगा लेकिन इस संभावित दौरे से पहले भारत और मालदीव के बीच थोड़ा तनाव पैदा हो सकता है। दरअसल, मालदीव ने चीन के साथ एक वाणिज्यिक समझौता कर लिया है।

मालदीव ने अपनी मुद्राओं में चालू खाता लेनदेन और प्रत्यक्ष निवेश के लिए पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। मालदीव ने कहा कि जल्द ही उसके यहां चीन के सबसे बड़े बैंक आईसीबीसी की एक शाखा खुल जाएगी। मालदीव के आर्थिक मंत्री मोहम्मद सईद ने कहा कि मालदीव में चीन के सबसे बड़े बैंक इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना (आईसीबीसी) की एक शाखा खोलने के लिए काम चल रहा है। सईद ने कहा कि इस संबंध में बातचीत अभी भी जारी है। बता दें कि चीन मालदीव का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय और पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के बीच समझौते का उद्देश्य स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन के निपटान को बढ़ावा देना है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी।

मालदीव की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। इसे सहारा देने के लिए वह भारत से भी मदद की उम्मीद कर रहा है। हाल ही में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर मालदीव गए तो वहां यूपीआई पेश करने को लेकर समझौता हुआ। इतना ही नहीं मालदीव आरबीआई के करेंसी स्वैप कार्यक्रम के तहत भारत से 40 करोड़ डॉलर तत्काल मिलने की उम्मीद कर रहा है। मालदीव को अक्टूबर में भारत को 2.5 करोड़ डॉलर का भुगतान भी करना है। मालदीव का कर्ज उसकी जीडीपी का 110 फीसदी हो गया है। इस देश के फॉरेक्स रिजर्व में केवल 43.7 करोड़ डॉलर बचे हैं जिससे केवल 6 हफ्ते के इम्पोर्ट का ही इंतजाम किया जा सकता है।

हैदराबाद में गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाले 300 युवक पकड़ाए

हैदराबाद(ईएमएस)। बड़ा गणेश उत्सव के दौरान महिला श्रद्धालुओं से गलत हरकत करने के आरोप में लगभग 300 लोगों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद पुलिस ने लोगों से अपील की थी कि अगर भीड़ में या पूजा स्थल पर कोई भी संदिग्ध या फिर अश्लील हरकत करता है तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दी जाए।बता दें कि तेलंगाना पुलिस में एसएचई डिविजन महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करती है। गणेश उत्सव के दौरान महिला पुलिस की टीमों को तैनात किया गया था। पुलिस की यह शाखा भीड़भाड़ वाले इलाकों में सोहदों पर ऐक्शन लेती है।

पुलिस का कहना है कि ये लोग हैदराबाद पुराने शहर में होने वाले भव्य गणेश उत्सव के दौरान भीड़ में श्रद्धालुओं को परेशान कर रहे थे। इनमें से कई महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करते हुए पकड़े गए। पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बता दें कि खैरताबाद का गणेश उत्सव पूरे देश में फेमस है। यहां बड़ी संख्या में लोग गणेश उत्सव देखने पहुंचते हैं। यहां की गणेश उत्सव समिति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एस शंकरय्या ने स्थापित की थी। बताया गया कि यहां देश की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की गई थी। इस बार 66 दिनों में यह मूर्ति तैयार की गई थी। इसमें लगभग 85 लाख रुपये का खर्च आया है। मूर्ति का निर्माण मिट्टी से किया गया है।

सड़क से लेकर संसद तक महिलाओं के अधिकारों के लिए करें संघर्ष

- महिला कांग्रेस की स्थापना दिवस पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने दी बधाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला कांग्रेस की स्थापना दिवस पर सभी को बधाई देते हुए कहा है कि महिलाओं को उनका हक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान में उन्हें जो अधिकार दिए गए हैं उन्हें प्रदत्त किए जाने चाहिए और कांग्रेस इसके लिए बराबर संघर्ष करती रहेगी।

उन्होंने कहा कि आधी आबादी को पूरा हक़ मिलना एक संवैधानिक दायित्व है जिसके लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। हमारे देश की नारी शक्ति ने आज़ादी की लड़ाई से लेकर अंतरिक्ष की उड़ान तक, राष्ट्र निर्माण में अपना बराबरी का योगदान दिया है। खडगे ने कहा कि अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ज़िम्मेदारी है कि वह सड़क से लेकर संसद तक महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करें और महिला असुरक्षा, कार्यस्थल में भागीदारी, महंगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक शोषण, असमानता, और स्त्री द्वेषी मानसिकता के ख़िलाफ़ मज़बूती से लड़ें। उन्होंने महिला कांग्रेस स्थापना दिवस पर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्त्ताओं को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं दीं।

बिहार में एक बार फिर सियासी दांव खेल सकते हैं सीएम नितीश कुमार

पटना, (ईएमएस)। बिहार के राजनीतिक हलकों में खेला शब्द राजनीतिक संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है. खेला के नाम पर राजनीतिक दांव-पेचों की चर्चा वर्षों से होती रही है। वहीं, नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के एनडीए में चले जाने के बाद राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खेला होगा का ऐलान कर एक बार फिर नई राजनीतिक रणनीति की चेतावनी दी है। वर्तमान परिदृश्य में, जब से नीतीश कुमार भाजपा गठबंधन में शामिल हुए हैं, तेजस्वी यादव बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में सेंध नहीं लगा पाए हैं। बिहार के सियासी खेल में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है. 2013 में, जब भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए नरेंद्र मोदी को अपने प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया तो नीतीश कुमार को मोदी की उम्मीदवारी पसंद नहीं आई और बाद में उन्होंने 2005 से भाजपा के साथ अपना दीर्घकालिक गठबंधन तोड़ दिया। 2014 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के बाद, नीतीश कुमार की जदयू ने 40 में से केवल दो सीटें जीतीं। 2015 में, नीतीश कुमार एक समझौते के तहत लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल हुए कि अगर गठबंधन जीता तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

यह गठबंधन फलदायी साबित हुआ और बिहार में एनडीए के एक दशक लंबे शासन का अंत हो गया। अपने वचन के पक्के लालू प्रसाद यादव ने नीतीश को मुख्यमंत्री बनाया। फिर भी, 2017 में, नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए महागठबंधन छोड़कर निष्ठा बदल ली। 2022 आते-आते उन्होंने फिर बीजेपी से नाता तोड़ लिया और दोबारा महागठबंधन में शामिल हो गए। 2024 की शुरुआत में नीतीश ने एक बार फिर बीजेपी के साथ गठबंधन किया। इन बदलावों के कारण नीतीश कुमार को बिहार की राजनीति में खेला बॉस के रूप में पहचाना जाने लगा। पिछले अनुभव के बावजूद राजद ने खेला की उम्मीद बरकरार रखी है. ऐसा लगता है कि तेजस्वी यादव की रणनीति नीतीश कुमार को गठबंधन में वापस लाकर बीजेपी के खिलाफ खड़ा करने की है। जानकारों के मुताबिक नीतीश कुमार लंबे समय से बीजेपी के मुख्य एजेंडे से नाखुश हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान, जद (यू) सदस्यों को मंत्री पद का कम आवंटन, वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक जैसी नीतियां नीतीश की प्राथमिकताओं के खिलाफ थीं। इसके अलावा, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और आरक्षण कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की बिहार की मांग अधूरी रह गई, जिससे नीतीश और भी नाराज हो गए। ऐसे में आने वाले महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करता है। ऐसे में अंदरखाने तो यही खबर है कि अगर हरियाणा और महाराष्ट्र में राजनीतिक गणित बदलता है और नतीजे विपक्ष के पक्ष में आते हैं तो मुख्यमंत्री नितीश कुमार भी बिहार में एक बार फिर सियासी दांव खेल सकते हैं। फ़िलहाल वे वेट एंड वाच वाली भूमिका में हैं।

गंगा उफान पर, घाट व मंदिर डूबे, छतों पर हो रहे अंतिम संस्कार

वाराणसी,(ईएमएस)। लगातार बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है और उसके उफान में तेजी आ रही है। शनिवार तक 80 सेमी पानी बढ़ गया था। महज तीन दिनों चार मीटर से ज्यादा बढ़ चुका पानी गंगा तट के सभी घाट व मंदिर पानी में डूब गए हैं। हरिश्चंद्र घाट की गलियों व मणिकर्णिका घाट की छत पर अंतिम संस्कार हो रहे हैं। आरती स्थल बदल दिया गया है।

असि घाट की गली में तो दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि की छत पर आरती शुरू कर दी गई है। गंगा नदी छठीं बार उफान पर आई गई है। गंगा के जलस्तर में पिछले सप्ताह से गिरावट आई थी। घटते-घटते यह मंगलवार सुबह तक 64.69 मीटर तक पहुंच गया था। इसके बाद घटाव रुक गया और फिर इसमें स्थिरता आ गई थी।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही जल पुलिस और एनडीआरएफ सतर्क हो गई है। बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। सुरक्षा टीमें निगरानी कर रही हैं। घाटों पर स्नान करने वाले लोगों को सतर्क किया जा रहा है। गंगा का जलस्तर बनने के साथ ही गंगा का बहाव भी तेज हो गया है।

गंगा नदी में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विकास खंड चिरईगांव के गंगा व सोता के तटवर्ती गांव सिंहवार, बभनपुरा, चांदपुर, मुस्तफाबाद, छितौना, छितौनी, मिश्रपुरा, सरसौल, गंगापुर, देवरिया सहित ढाब क्षेत्र के मोकलपुर, गोबरहां, रामचंदीपुर और मुस्तफाबाद रेता, रामपुर के लोग सहमे हैं। पानी का बढ़ाव इस बार हर बार से तेज होने से जल्द ही चेतावनी बिंदु पार कर जाने की संभावना जताई जा रही है। गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। बाढ़ संबंधी किसी भी समस्या के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किए गए हैं। 0542-250 85 50,0542-2504170, और 91 400 371374 पर संपर्क किया जा सकता है।

राहुल गांधी देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं...वह 'नंबर वन' आतंकवादी हैं: केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू

भागलपुर: केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाल की अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सिखों के संबंध में की गई टिप्पणी को लेकर रविवार को उनकी आलोचना की और उन्हें ''देश का सबसे बड़ा दुश्मन और आतंकवादी'' बताया।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री बिट्टू रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भागलपुर स्टेशन से भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन को शुरू किये जाने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भागलपुर जिले में थे। उन्होंने राहुल गांधी के बारे में कहा, ''एक तो वह हिंदुस्तानी नहीं हैं। ज्यादा वक्त उन्होंने विदेशों में बिताया है। उनके दोस्त और परिवार के सदस्य वहां पर हैं इसलिए कहीं न कहीं उनको अपने देश के साथ ज्यादा प्यार नहीं है । वह बाहर जाकर उल्टा-पुल्टा बोलते हैं।''

उन्होंने कहा, ''अब उन्हें अलगाववादियों का समर्थन मिल गया है, जो हमेशा देश को बांटने की बात करते हैं। वे (अलगाववादी) और अतिवांछित लोग भी सिखों के संबंध में राहुल गांधी की टिप्पणी की सराहना कर रहे हैं। जब बम बनाने में भी माहिर लोग राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं, तब वह देश के 'नंबर वन' आतंकवादी हैं। वह अलगाववादियों की तरह बात कर रहे हैं। उन्हें पकड़ने के लिए इनाम होना चाहिए क्योंकि वह देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं।''

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए पूर्व कांग्रेसी बिट्टू ने आरोपलगाया,''पहले, उन्होंने (कांग्रेस नेताओं ने) मुसलमानों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और अब वे सिखों को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''गांधी ओबीसी और अन्य जातियों की बात करते हैं। विपक्ष के नेता होने के बाद भी वह किसी मोची, बढ़ई या मिस्त्री का दर्द नहीं समझ पाये हैं। यह एक मजाक है।'' केंद्रीय मंत्री हाल ही में अमेरिका में की गई गांधी की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे। हाल में वाशिंगटन डीसी में एक सभा को संबोधित करते हुएगांधी ने कहा था कि भारत में लड़ाई इस बात की है कि एक सिख व्यक्ति को पगड़ी और कड़ा पहनने तथा गुरुद्वारे जाने की अनुमति हो या नहीं।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को दूसरों से कमतर मानने का भी आरोप लगाया। बिट्टू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बिहार विधानसभा में बिहार कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने मीडिया से कहा, ''बिट्टू ने जो भी कहा है वह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। वह नासमझ आदमी की तरह बात कर रहे हैं। गांधी परिवार द्वारा इस देश को दिए गए योगदान के बारे में लोग जानते हैं। बिट्टू खुद पहले कांग्रेस में थे... उनके पिता भी कांग्रेसी थे। राहुल जी के खिलाफ उनकी टिप्पणी बेहद निंदनीय है।''

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा ,इस साल 66 अरब डॉलर की वृद्धि

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रहा है। इस साल अब तक भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में 66 अरब डॉलर की बढ़ोतरी ह

जन हितैषी

70 साल के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड

केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल के बुजुर्गों को 5 लाख रूपये का बीमा देने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा यह कहा गया है, कि किसी भी अस्पताल में 5 लाख रूपये तक का इलाज, कोई भी बुजुर्ग,बिना किसी भेदभाव के, अमीर हो या गरीब सभी को मिलेगा। सेवानिवृत्ति सभी वर्ग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार हुजुर्गों के लिए अलग से आयुष्मान कार्ड तैयार कर रही है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सांख्यिकी विभाग और निर्वाचन आयोग से 70 साल के बुजुर्गों का डेटा मांगा है। केंद्र सरकार ने 2021 की स्थिति में देश के सभी बुजुर्गों का डेटा लेकर उन सभी के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। 2024 में जिन लोगों की आयु 70 वर्ष हो चुकी होगी उनके अलग से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। सरकार का कहना है, पति हो या पत्नी, दोनों के ही अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनेंगे। दोनों को ही पांच-पांच लाख रुपए के इलाज की सुविधा होगी। बुजुर्ग को हर अवस्था में बीमारी का इलाज मिल सके। अस्पतालों में जिस तरह की लूट खसोट और धोखाधड़ी का माहौल है। इलाज के रेट बड़ी तेजी के साथ, पिछले कई वर्षों में कई गुना बढ़ें हैं। आयुष्मान कार्ड या बीमा कार्ड होने पर अधिकतम से अधिकतम खर्च अस्पतालों द्वारा वसूला जाता है। जिसके कारण बुजुर्गों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। केंद्र सरकार को इस दिशा में भी ध्यान देने की जरूरत है। इलाज अच्छा हो, इलाज के दौरान किसी तरह की बेईमानी ना हो। पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों और अस्पतालों द्वारा जिस तरह की लूट की जा रही है। इसको लेकर बुजुर्गों में हर समय चिंता बनी रहती है। चिकित्सा में जिस तरह की सावधानी जरूरी होती है, विशेषज्ञों द्वारा सही तरीके से मरीजों का उपचार हो। इस दिशा मे डॉक्टर और अस्पतालों का जिम्मेदार होना जरूरी है। बहरहाल जिस तरह से बुजुर्गों की संख्या साल दर साल बढ़ती चली जा रही है। उसको देखते हुए,केंद्र सरकार द्वारा जो नई योजना बनाई गई है। उसकी प्रशंसा करनी ही होगी। समय रहते सरकार ने बुजुर्गों के ऊपर ध्यान दिया है। इस सुविधा से उनका जीवन पहले की तुलना में बेहतर होगा। बुजुर्गों की एक सबसे बड़ी मांग यह भी है। रेल एवं बस यात्रा में जो रियायत पहले मिलती थी। उसको पुनः शुरू किया जाए। इलाज, सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों के लिए जब बुजुर्ग यहां से वहां जाते हैं। उस समय उनका बहुत सारा पैसा यात्रा की टिकट के रूप में चला जाता है। केंद्र सरकार को बुजुर्गों के लिए रियायती दर पर रेल और बस की सुविधा जल्द शुरू करने की जरूरत है। सरकार यह निर्णय लेगी तो बुजुर्गों को राहत मिलेगी। सरकार को जिम्मेदारी तय करनी पड़ेगी, भारत के किसी भी अस्पताल में बुजुर्गों को बेहतर इलाज मिले। उनकी अच्छी देखरेख हो। ऐसा हुआ तो सरकार ने जो योजना बनाई है। वह सार्थक सिद्ध होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद भी मिलेगा।

जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट का अजीबो गरीब फैसला

जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की एकल बेंच ने यौन उत्पीड़न के आरोप में वायु सेवा के विंग कमांडर को सशक्त जमानत दी है। जमानत देने के पीछे हाईकोर्ट ने कहा है, याचिका करता विग कमांडर के पद पर है। गिरफ्तारी के साथ ही उसकी प्रतिष्ठा के साथ उसका करियर भी खत्म हो जाएगा। अदालत ने 50000 रूपये की जमानत स्वीकार करते हुए विग कमांडर के ऊपर कुछ शर्त लगाई हैं। उल्लेखनीय है, यौन उत्पीड़न का आरोप एक महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने विग कमांडर पर लगाया था। इसकी रिपोर्ट महिला ने श्रीनगर थाने में दर्ज कराई है। आरोपी और महिला दोनों ही श्रीनगर में तैनात हैं। हाईकोर्ट ने आरोप पत्र दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। यह अपनी तरह का एक पहला मामला है। जिसकी सभी ओर चर्चा हो रही है। इस तरह का मामला अभी तक देखने में नहीं आया है।

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो।

अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए।

जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

चिंता का सबब बनता ओजोन परत का क्षरण

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलः जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना'। विश्व ओजोन दिवस का यह विषय ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु कार्रवाई पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी।

विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जोदौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे।

राहुल से नफ़रत की पराकाष्ठा?

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था रखने वाले किसी भी देश में सत्ता और विपक्ष दोनों ही एक गाड़ी के दो पहियों के समान माने जाते हैं। सत्ता का काम जहां देश के लिये नीतियां व योजनाएं बनाना होता है वहीं विपक्ष का काम सत्ता की कारगुज़ारियों पर निगरानी रखना होता है। विपक्ष ज़रूरत पड़ने पर समय समय पर सत्ता की आलोचना भी करता रहता है। और सत्ता उन स्वस्थ आलोचनाओं का स्वागत करते हुये विपक्ष की आलोचना के अनुरूप अपनी नीतियों, व योजनाओं में परिवर्तन व संशोधन करने का भी प्रयास करती है। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक देश में सत्ता और विपक्ष के रिश्ते प्रायः मधुर व सौहार्दपूर्ण ही रहते हैं। हमारे देश में भी पंडित जवाहर लाल नेहरू व डॉ राम मनोहर लोहिया तथा राजीव गाँधी,सोनिया गांधी व अटल बिहारी वाजपेई जैसे अनेक शीर्ष नेताओं के ऐसे कई क़िस्से बड़े मशहूर हैं जो पक्ष विपक्ष के सौहार्द्रपूर्ण रिश्तों की गवाही देते हैं।

परन्तु वर्तमान दौर की राजनीति में तो गोया सत्ता द्वारा विपक्ष से दुश्मन की तरह व्यवहार किया जाने लगा है। साम दाम दंड भेद,छल कपट,झूठ,मक्कारी,सत्ता बल धनबल,बाहुबल,सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर,विधायकों की ख़रीद फ़रोख़्त कर निर्वाचित सरकार गिराकर, मीडिया को ग़ुलाम बनाकर गोया किसी भी तरह से यह कोशिश की जाने लगी है कि विपक्ष का नामो निशान ख़त्म कर दिया जाये और सत्ता पर हमेशा के लिये क़ब्ज़ा जमाये रखा जाये। सत्ता के इस लोकतंत्र विरोधी कहे जाने वाले दुष्प्रयास का सबसे बड़ा निशाना लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी हैं। पिछली लोकसभा में यह देखा गया कि किस तरह एक अदालती फ़ैसले की आड़ लेकर आनन फ़ानन में उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गयी और सदस्यता समाप्त करने के साथ ही सांसद के रूप में आवंटित किया गया उनका बंगला भी ख़ाली करवा लिया गया। देश ने यह भी देखा कि किस तरह राहुल गांधी व उनकी मां सोनिया गाँधी को कई दिनों तक बार बार प्रवर्तन निदेशालय (ई डी) द्वारा अपने कार्यालय में बुलाकर उनका मनोबल गिराने की कोशिश की गयी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस का बैंक खाता ज़ि कर दिया। गया। पिछले दस वर्षों से राहुल गाँधी को पप्पू साबित करने के लिये करोड़ों रूपये पानी की तरह बहाये गये। मीडिया का सहारा लेकर राहुल को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशें की गयीं। हद तो यह है कि संसद में स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा राहुल गांधी को बाल बुद्धि वाला कहकर सम्बोधित किया गया ? समुदाय विशेष को जूते मारो सालों को जैसा उत्तेजनात्मक नारा देना वाला एक परिवारवादी राजनीति का प्रतीक भाजपा नेता संसद में राहुल की जाति पर सवाल खड़ा करते दिखाई दिया।

और अब एक बार फिर राहुल की अमेरिका यात्रा में दिए गये उनके कुछ बयानों को लेकर उनको देशद्रोही तक साबित करने की कोशिश की जा रही है। एक ऐसा केंद्रीय मंत्री जिसे जनता स्वयं एक मसख़रे के रूप में जानती है वह पूरे देश में राहुल गाँधी के विरुद्ध जूते मारो अभियान शुरू करने की बात कह रहा है। भाजपा के कई शीर्ष नेता न केवल राहुल गांधी को देशद्रोही बताने में लग गए हैं बल्कि दिल्ली के एक बीजेपी नेता व पूर्व विधायक ने तो सार्वजनिक रूप से यह तक कह दिया है कि ''राहुल गांधी बाज़ आ जा, नहीं तो आने वाले टाइम में तेरा भी वही हाल होगा जो तेरी दादी का हुआ!'' यानी सरे आम राहुल को हत्या की धमकी दी जाने लगी है। लगता है कि भाजपा द्वारा राहुल के विरुद्ध तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद उनकी बढ़ती लोकप्रियता और एक साथ दो दो जगहों से लोकसभा में भारी मतों से उनके निर्वाचन के बाद अब उन्हें हिंसा व हत्या के लिये डराना धमकाना ही आख़िरी हथियार रह गया है।

परन्तु इस बहस में कुछ बातें तो निरर्थक हैं। जैसे कि राहुल ने अमेरिका में क्या कहा या विदेशों में वे क्या कहते हैं। इंटरनेट व आधुनिक संचार प्रणाली के इस दौर में आज इस बात के तो कोई मायने ही नहीं रह गये कि आप कौन सी बात कहाँ बोलते हैं। दुनिया के किसी भी कोने में बोली गयी कोई भी बात पलक झपकते ही पूरे विश्व में एक साथ प्रसारित हो जाती है। फिर क्या अमेरिका तो क्या भारत। दूसरी बात यह कि राहुल ने अमेरिका में ऐसा क्या नया कहा जो वे यहाँ नहीं कहते ? भारतीय लोकतंत्र पर मंडराते ख़तरों पर अकेले राहुल ही चिंता व्यक्त नहीं करते। विपक्ष के और भी तमाम नेता,बुद्धिजीवी,नोबेल पुरस्कार विजेता,शिक्षाविद,लेखक व पत्रकार भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति व लोकतंत्र पर मंडराते ख़तरों पर चिंता व्यक्त करते ही रहते हैं। और इन सबसे बड़ी बात यह कि जो लोग सत्ता के इशारे पर या किसी को ख़ुश करने के लिये राहुल गांधी को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं उन्हें राहुल गाँधी की वह पारिवारिक पृष्ठभूमि भी देख लेनी चाहिए जिसमें राहुल के पिता राजीव गांधी व दादी इंदिरागांधी को देश की एकता व अखंडता को बचाये रखने के लिये अपनी जानों की क़ुर्बानी देनी पड़ी थी।

मोतीलाल नेहरू से लेकर जवाहर लाल नेहरू, कमला नेहरू आदि सभी स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले इसी एक परिवार के सदस्य थे। ऐसे घराने से सम्बन्ध रखने वाले राहुल गांधी को वे लोग देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके अपने दल में महात्मा गांधी,भारतीय संविधान और तिरंगे का अपमान करने वालों की कमी नहीं ? ऐसे लोग राहुल को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके पूर्वजों का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तो दूर उनके आसपास के लोग भी उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि से वाक़िफ़ नहीं ? यह अगर ख़ुद कश्मीर में महबूबा मुफ़्ती की पी डी पी से मिलकर सरकार बनायें तो वह राष्ट्रवाद परन्तु यदि राहुल या कांग्रेस इनके साथ समझौता करें तो उन पर संदेह और तरह तरह के सवाल ? ख़ुद अगर प्रधानमंत्री मोदी एस पी जी के मना करने के बावजूद नवाज़ शरीफ़ की नातिन मेहरुन्निसा की शादी व नवाज़ शरीफ़ का जन्म दिन मनाने अचानक पाकिस्तान पहुँच जायें या उनसे पगड़ी,साड़ी व शॉल के तोहफ़ों का आदान प्रदान करें तो यह उनका सद्भावना भरा क़दम परन्तु यदि यही काम कोई विपक्षी नेता करे तो वह देशविरोधी या पाकिस्तान परस्त ?

दरअसल राहुल के विरोध का कारण यह सब नहीं जो बताया या प्रचारित किया जा रहा है। बल्कि राहुल के विरोध का कारण भारत सहित पूरे विश्व में उनकी बढ़ती स्वीकार्यता है। साथ ही राहुल भारतीय विपक्ष के अकेले ऐसे नेता हैं जो भाजपा व सत्ता पर ऐसी चोट करते हैं जिससे इनके नेता तिलमिला जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अडानी व मोदी के रिश्ते पर उनके सवालों से भाजपा हमेशा असहज रहती है। रोज़गार व मंहगाई पर राहुल के सवालों का इनके पास कोई जवाब नहीं। इसके अलावा राहुल ने अपनी राष्ट्रव्यापी भारत जोड़ो पद यात्रा में भी सत्ता के मंसूबों की पोल खोल कर रख दी थी। इसी यात्रा के बाद कांग्रेस का ग्राफ़ चढ़ना व भाजपा का ग्राफ़ नीचे जाना शुरू हो गया था। इसलिये राहुल पर देशद्रोह के इल्ज़ाम लगाना तो मात्र एक बहाना है हक़ीक़त में यह सत्ता की राहुल से नफ़रत की पराकाष्ठा के सिवा और कुछ नहीं। सही मायने में तो सत्ता का यह दुष्प्रयास भी लोकतंत्र विरोधी ही है।

ज़ाहिद शराब पीने दे मस्जिद में बैठ कर

(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

"आज सियासत की नहीं, शराब की बात करते हैं। शराब और सियासत का बड़ा नजदीकी रिश्ता है। शराबबंदी करके कोई नेता बड़ा सुधारवादी बन जाता है और कोई नेता शराब घोटाले में फंसकर जेल की हवा खाता है ,लेकिन लोग हैं कि शराब पीने से बाज नहीं आते। आ भी नहीं सकते,क्योंकि शराब चीज ही ऐसी है। शराब पीना अगर पुण्य नहीं है तो पाप भी तो नहीं है । हम तो सनातनी हैं ,इसलिए शराब को समुद्र मंथन का उपहार मानते हैं ,और चाहते हैं कि शराब हर जगह मिले और हर जगह पी जाये। चचा ग़ालिब ने तभी तो शायद कहा है कि- ज़ाहिद शराब पीने दे मस्जिद में बैठ कर

या वो जगह बता दे जहाँ पर ख़ुदा न हो

भारत में शराबबंदी कि मांग नयी नहीं है। महात्मा गाँधी के समय से लोग शराबबंदी की मांग करते आ रहे हैं। जहाँ तक मुझे याद आता है कि 1960 में राज्य के गठन के बाद से ही गुजरात में शराबबंदी लागू है. यहां गांधी जी के सिद्धांतों का कड़ाई से पालन किया जाता है. साथ ही कड़े कानून लागू हैं. हालांकि चुनाव के समय चोरी छिपे शराब बिकने की खबरें आती रहती हैं। गुजरात के बाद बिहार में अप्रैल 2016 से राज्य भर में शराबबंदी लागू कर दी थी। बिहार की तत्कालीन सरकार ने अपराधों पर लगाम लगाने के मकसद से शराबबंदी लागू की थी । हालांकि सरकार शराब की तस्करी को रोकने में यह नाकाम रही है। आए दिन पड़ोसी राज्यों से बिहार में शराब आने की खबरें आती रहती हैं. बिहार में शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

कहते हैं कि चर्च, महिला समूहों के नेतृत्व में मिजोरम ने 1997 में शराबबंदी लागू की थी. 2015-2019 के बीच प्रतिबंध हटा लिया गया था. हालांकि, फिर से प्रतिबंध लागू कर दिया गया है. शराबबंदी को लेकर यहां आज भी पक्ष-विपक्ष में चर्चा होती रहती है। लक्षद्वीप में शराब को लेकर बेहद सख्त कानून हैं. यहां सिर्फ कुछ रिसॉर्ट्स में ही शराब की बिक्री और सेवन सीमित है। लक्षद्वीप पर्यटन स्थल होने के कारण कुछ रिसॉर्ट्स में ही शराब मिलती है। लक्षद्वीप में स्थानीय स्तर पर शराब बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित है । महाराष्ट्र के भी तमाम शहरों में शराब आसानी से नहीं मिलती।

आजकल शराबबंदी को लेकर बिआहर एक बार फिर से चर्चा में है । केंद्रीय मंत्री जीतनराम माझी ने ही बिहार में शराबबंदी को लेकर सवाल किये खड़े हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का एक बयान वायरल हो रहा है. जिसमें वो दावा कर रहे हैं कि राज्य में शराबबंदी होने के बावजूद भी वो शराब पीते हैं।उन्होंने 4-5 लाख गरीबों के जेल जाने का दावा किया। मांझी ने शराबबंदी की समीक्षा की मांग की। माझी की स्पष्टवादिता के हम तो कायल हैं । उन्होंने कहा है कि -हम शराबबंदी के पक्षधर हैं, लेकिन जिस तरीके से यह कानून लागू है वह गलत है। माझी ने कहा कि शराबबंदी कानून के बारे में हम हमेशा कहते रहे हैं कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है. हम सबने मिलकर शराबबंदी कानून बनाया है. हम इसे बुरा क्यों कहेंगे? लेकिन इसके कामकाज में अनियमितताएं हैं. गरीब लोग भी अगर थोड़ा सा भी शराब पीते हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है , हजारों-लाखों लीटर शराब की तस्करी करने वाले छूट रहा है ।

बिहार में शराबबंदी की तीन मरतबा समीक्षा हो चुकी है और सरकार चौथी बार भी शराबबंदी की समीक्षा करने के लिए तैयार है ,ये सरकार की दरियादिली है। अब समीक्षा होती है या नहीं ,ये बाद कीबात है ,लेकिन इसी मुद्दे पर बिआहर में सरकार बनाने का सपना देख रहे प्रशांत किशोर का कहना है कि यदि वे सत्ता में आये तो बिहार में शराबबंदी को तत्काल समाप्त कर देंगे। लगता है कि प्रशांत किशोर गांधीवादी नहीं बल्कि गालिबवादी हैं। अब उनकी इस घोषणा से बिहार के मदिराप्रेमी कितने उत्साहित होंगे ,इसका पता तो बिहार विधानसभा चुनाव के समय पता चलेगा। फिलहाल सब कुछ हवा-हवाई है।

अनेक राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ा चुके प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि अगर जन सुराज की सरकार बनती है तो वो 1 घंटे के भीतर शराबबंदी खत्म कर देंगे। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी कानून को महज एक दिखावा करार दिया। मौजूदा शराबबंदी को अप्रभावी बताते हुए पीके ने कहा कि इस कानून के कारण राज्य के हर कोने में शराब की अवैध होम डिलीवरी हो रही है और बिहार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। मुझे लगता है कि प्रशांत किशोर सच ही कह रहे हैं। लेकिन सच आजकल सुनता कौन है ? प्रशांत किशोर उर्फ़ पीके के शराबबंदी खत्म करने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू ने कहा, ''प्रशांत किशोर पटना में बेली रोड पर एक हवेली में रहते हैं। उसके ठीक बगल में जेडी वीमेंस कॉलेज है। उसके आगे वीमेंस कॉलेज है। प्रशांत किशोर में हिम्मत है कि वहां लड़कियों के हुजूम के बीच आकर बोले दें कि हमारी सरकार बनी तो शराबबंदी हटाएंगे? छात्राएं उनका होश ठिकाने लगा देंगी। '

भाजपा प्रवक्ता अरविन्द सिंह ने तंज कसते हुए कहा, 'कौन हैं प्रशांत किशोर? नहीं जानते हम लोग। एक प्रशांत किशोर का नाम सुने हैं जिन्होंने ममता बनर्जी, कांग्रेस, आरजेडी को जिताने का टेंडर लिया था। वे राजनीतिक दलों को जिताने-हराने का टेंडर लेते हैं। जिस राजनीतिक दल का जन्म नहीं हुआ है उसके नेता बिहार बदलने की बात कर रहे हैं। यह मुंगेरीलाल के हसीन सपने हैं। ' आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, 'प्रशांत किशोर कह रहे मदिरालय खोलेंगे, लोगों को वह शराब पिलाएगे। वह लोगों को शराबी बनाएंग। आज तक प्रशांत किशोर वार्ड पार्षद तक का चुनाव नहीं लड़े है। वे सरकार बनाने का दिवास्वप्न देख रहे हैं। रोज अनाप-शनाप बयान देकर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। जनता प्रशांत किशोर को खारिज करेगी तब उनको पता चल जाएगा कि जनता राजनीतिक रूप से कितनी जागरूक है. मदिरालय नहीं पुस्तकालय, विद्यालय, महाविद्यालय चाहिए। '

मै प्रशांत किशोर से बड़ा सत्यवादी ही नहीं बल्कि गांधीवादी भी हों और पूरी ईमानदारी से कहता हूँ कि मैंने दुनिया के तमाम देशों की मदिरा का स्वाद चखा है ,लेकिन मै शराबी नहीं हूँ। मुझे पता है कि भारत में शराब पीने की कानूनी उम्र और शराब की बिक्री तथा खपत को नियंत्रित करने वाले कानून प्रत्येक राज्यों में अलग-अलग हैं। भारत में मुख्य रूप से बिहार, गुजरात, नागालैंड, और मिजोरम राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में शराब का सेवन प्रतिबंधित है। मणिपुर के कुछ जिलों में शराब पर आंशिक रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा अन्य सभी भारतीय राज्य शराब की बिक्री की अनुमति देते हैं लेकिन शराब पीने की कानूनी उम्र को भी तय करते हैं, जो प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग उम्र में निर्धारित होती है।

विदेशों में न गांधीवाद के नाम पर शराबबंदी है और न शराब को लेकर कोई सियासत होती है । वहां शराब एक उपभोक्ता वस्तु है और हर जगह उपलब्ध है। विदेशों में शराब ,किराने और दवाएं एक ही छत के नीचे मिलती हैं। हर सरकार में एक आबकारी मंत्री होता है। कहीं-कहीं तो मुख्यमंत्री खुद आबकारी मंत्री होता है ,क्योंकि आबकारी राजस्व ही सरकारों की आय का प्रमुख मद होता है। बिहार में शराब को लेकर सियासत नकली है। मेरे ख्याल से शराब को लेकर सियासत होना ही नहीं चाहिए। शराब आखिर शराब है। न अच्छी है और न खराब। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अवैध शराब का कारोबार 23466 करोड रुपए का है. फिक्की के मुताबिक अवैध शराब की तस्करी से सरकार को 15262 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है। अवैध शराब का कोई रिकॉर्ड नहीं होता है।

हम भारतीय शराब को घर पर भी बनाते हैं और विदेश से भी मंगाकर पीते हैं। एग्री एक्सचेंज किवर्ष (2020-21) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसेज्यादा शराब अमेरिका से आती है। 2020-21 के आंकड़ों के अनुसार, देश में अमेरिका से कुल 325.56 मिलियन अमेरिकी डॉलर की शराब आयात की जाती है। 2020-21यूके से कुल 131.29 अमेरिकी डॉलर की शराब आयात हुई थी. बेल्जियम तीसरे पायदान पर है. जहां से सबसे ज्यादा शराब भारत आयात की जाती है। फ्रांस चौथा ऐसा देश है जहां से कुल 12.67 अमेरिकी डॉलर की शराब आयात की गयी थी सिंगापुर इस लिस्ट में पांचवे पायदान पर आता है। जहां से कुल 12.66 मिलियन शराब आयात की जाती है.हुई थी । कहने का असहय ये है कि शराब एक हकीकत है और इसे लेकर जो भी दल राजनीति करता है वो जनता को धोखा देता है।

भारत में शराब उपभोक्ताओं का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है,फिर भी एक जानकारी कहती है कि 140 करोड़ के देश में से कोई 16 करोड़ लोग तो पक्के शराबी है। आंध्र और तेलंगाना इसमें सबसे आगे हैं। इसके बाद असम,छत्तीसगढ़,गोवा,हरियाणा झारखण्ड ,कर्नाटक और केरल का नंबर आता है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि-शराब का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है तथा कृषि के इतिहास एवं पश्चिमी सभ्यता से इसका गहरा सम्बन्ध है। वर्तमान समय में अंगूर पर आधारित किण्वित पेय का सबसे पुराना अस्तित्व 7 हजार ईसा पूर्वष पूर्व में चीन में होना सिद्ध हैशराब शाकाहारी उत्पाद है। इसके विभिन्न नाम और रूप है। शराब को रम, विस्की, चूलईया, महुआ, ब्रांडी, जीन, बीयर, हंड़िया भी कहा जाता है। शराब के सेवन को कई समाज में धार्मिक व अन्य सामाजिक अनुष्ठानों से भी जोड़ा जाता है। परन्तु कोई भी समाज या धर्म इसके दुरूपयोग की स्वीकृति नहीं देता है।हालाँकि पांच मकार में मदिरा शामिल है। शराब स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है या हानिकारक ये तो तय नहीं लेकिन हमारे यहां वैधानिक चेतावनी दी जाती है कि शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

शराब साहित्य में है। शराब फिल्मों में है । शराब सियासत में है । शराब मंदिरों में है। शराब यत्र-तत्र सर्वत्र है। सर्वव्यपी है। शराब को लेकर किसी ने लिखा है कि --

मत पूछ उसके मैखाने का पता ऐ साकी,

उसके शहर का तो पानी भी नशा देता है

तो कोई लिखता है कि -

कभी उलझ पड़े खुदा से कभी साक़ी से हंगामा,

ना नमाज अदा हो सकी ना शराब पी सके।

शराब को लेकर मेरी चिंता तो इस शेर में बाबस्ता है कि-

नतीजा बेवजह महफिल से उठवाने का क्या होगा,

न होंगे हम तो साकी तेरे मैखाने का क्या होगा।

शब्द पहेली - 8130

बाएँ से दाएँ

1.जनमत-4
4.सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9.रुपया,पैसा -2
11.छोटी सवारी गाड़ी-2
12.घ्राणेंद्रिय-2
13.बेकार-3
15.झुका हुआ-2
16.बसंत काल-3
17.टिड्डा-3
18.अन्वेषण,ढूंढना-2
19.जलने की प्रक्रिया-3
21.एक विदेशी शराब-2
23.कला,हुनर-2
24.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25.आत्मबलिदानी-5
29.करामात-4
30.नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1.पूजा,प्रार्थना-4
2.मार्ग,पथ-2
3.यमराज,मृत्युदेवता-2
4.स्वच्छ-2
5.दूल्हा,वरदान-2
6.द्वेष,ईर्ष्या-4
8.तमीज,तहजीब-3
10.सेंधमार-5
11.चुगली करना-5
13.देवर्षि-3
14.रसद,खाद्य सामग्री-3
18.भयानक,डरावना-4
20.अक्षर (उर्दू-3)
22.संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5

बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

- खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि का विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूतीके साथक्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः180-135रुपये की मजबूती केसाथ क्रमशः4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235रुपये,1,525रुपये बढ़कर क्रमशः 11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं आयात शुल्क वृद्धि के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 1,675 रुपये की तेजी के साथ 11,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,500 रुपये के सुधार के साथ 12,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,350 रुपये के सुधार के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।नाममात्र स्टॉक के बीच मांग निकलने से बिनौला तेल 950 रुपये के सुधार के साथ 11,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

नाइजीरिया में अचानक नदी में पलटी नाव, 64 किसानों की मौत

जमफारा,(ईएमएस)। नाइजीरिया के जमफारा में नदी में एक नाव पलट गई जिसमें कम-से-कम 64 लोगों की मारे जाने की आशंका है। ये सभी किसान थे जो खेतों पर काम करने जा रहे थे, तभी अचानक नाव नदी में पलट गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया के ज़मफ़ारा राज्य में एक नदी पर एक नाव दुर्घटना के बाद कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा शनिवार सुबह हुआ जब 70 किसान गुम्मी शहर के करीब अपने खेतों पर जा रहे थे तभी नाव अचानक पलट गई।

घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने बचाव अभियान चालया और तीन घंटे के बाद, छह बचे लोगों को पानी से निकाल लिया गया। बचाव दल के प्रशासक अमीनू नुहू फलाले ने कहा कि यह दूसरी बार है जब गुम्मी क्षेत्र में ऐसी घटना घटी है। 900 से ज्यादा किसान अपने खेत तक पहुंचने के लिए प्रतिदिन नदी पार करने पर निर्भर हैं, लेकिन केवल दो नाव ही उपलब्ध हैं, जिससे अक्सर भीड़भाड़ हो जाती है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन टीमें और ज्यादा जीवित बचे लोगों की तलाश में अपनी खोज तेज कर रही हैं। ज़मफ़ारा भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से भी गंभीर रूप से प्रभावित है। दो सप्ताह पहले बाढ़ ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को विस्थापित करा गया था।

चीन को सबक सिखाने अब कनाडा भी तैयार, सैन्य गठबंधन में होगा शामिल

ओटावा,(ईएमएस)। कनाडा के रक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने खुलासा किया कि उनका देश अक्स (एयूकेयूएस) सैन्य गठबंधन में शामिल होने पर विचार कर रहा है। यह गठबंधन अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था। अब कनाडा भी इसमें शामिल होना चाहता है। कनाडा ने अक्स के दूसरे स्तंभ में शामिल होने की इच्छा जताई है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई सैन्य तकनीकों की मदद ली जाएगी । हालांकि, इस पर अभी पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है।

ब्लेयर इस दिनों जापान के दौरे पर हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बातचीत चल रही हैं। हम और जापान जैसे अन्य देश इन प्रक्रियाओं और परियोजना-विशिष्ट प्लेटफार्मों पर भागीदारी के लिए बातचीत कर रहे हैं। फैसले का इंतजार है। बता दें कि पिछले दिनों कनाडा और चीन के रिश्तों में दरार आ गई है। अब कनाडा एशिया में अपनी नीति का विस्तार कर रहा है।

बता दें कि अक्स गठबंधन का पहला चरण ऑस्ट्रेलिया के लिए परमाणु पनडुब्बी तकनीक पर केंद्रित है, लेकिन अब इसके विस्तार पर बातचीत जारी है। इसमें कनाडा के अलावा, जापान जैसे अन्य देश भी शामिल होना चाह रहे हैं। ब्लेयर का यह पहला जापान दौरा है, जहां वे दक्षिण कोरिया की यात्रा कर पहुंचे थे। दक्षिण कोरिया भी अक्स में शामिल होना चाहता है। कनाडा वर्तमान में एशिया में अपनी सुरक्षा भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है और इसके तहत जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

ब्लेयर ने जानकारी दी कि अगले साल कनाडा का रक्षा बजट इस साल की तुलना में 27फीसदी बढ़ाया जाएगा और आने वाले तीन-चार सालों में यह खर्च तीन गुना हो जाएगा। ब्लेयर और किहारा ने जापानी क्षेत्र में चीनी घुसपैठ पर भी बातचीत की, जिस पर पिछले महीने टोक्यो ने चीन के साथ औपचारिक विरोध जताया था। इस चीनी सैन्य गतिविधि को लेकर अगले महीने इटली में होने वाली जी7 रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी बातचती हो सकती है।

फेड के ब्याज दर पर फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर कई वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उल्लेखनीय रहा। गुरुवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। उसी दिन बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने पहली बार 83,000 अंक के स्तर को पार किया। बाजार के ??विश्लेषकों ने कहा ?कि इस सप्ताह साल का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहा है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 18 सितंबर को होगी। यह लगभग तय है कि इससे ब्याज दर में कटौती चक्र की शुरुआत होगी। अमेरिका में आम सहमति ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती को लेकर है। हालांकि कुछ बाजार भागीदार ब्याज दर में आधा प्रतिशत कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा ?कि इस तरह का कदम वैश्विक बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संकेतक होगा, खासकर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए। इससे डॉलर कमजोर होगा और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में कमी आएगी, जिससे भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान के मुद्रास्फीति आंकड़े शुक्रवार को आने हैं, जिसके बाद बैंक ऑफ जापान (बीओजे) की मौद्रिक नीति की घोषणा होगी।उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों का प्रवाह, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल के दाम भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे भारत की थोक मुद्रास्फीति, अमेरिका के औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय तथा अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़ों से तय होगा। एक अन्य बाजार ?विश्लेषक ने कहा ?कि आगे की ओर देखें, तो यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा 18 सितंबर को होगी। घरेलू स्तर पर बाजार भागीदारों की निगाह थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी कोषों के प्रवाह पर रहेगी। 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में एक जो प्रमुख बात रही, वह यह कि एफआईआई ने सप्ताह के सभी दिन लिवाली की। उन्होंने कहा कि दो कारण हैं कि एफआईआई ने अपनी रणनीति को बदल दिया है। अब इस बात पर आम सहमति है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक इस महीने से दरों में कटौती शुरू कर देगा, जिससे अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल घट जाएगा। इससे उभरते बाजारों में निवेश बढ़ेगा। दूसरा, भारतीय बाजार काफी जुझारू है और यदि एफआईआई यहां निवेश नहीं करते हैं, तो यह एक खराब रणनीति होगी।

ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की पानी में लैंडिंग,मस्क का मिशन कामयाब

- 27 हजार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी के वायुमंडल में किया प्रवेश

फ्लोरिडा,(ईएमएस)। स्पेसएक्स का पोलारिस डॉन क्रू आज रविवार को पृथ्वी पर वापस लौट आया। ड्रैगन स्पेसक्रॉफ्ट ने दोपहर 1:06 बजे फ्लोरिडा के ड्राई टोर्टुगास कोस्ट पर लैंडिंग की। पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 27 हजार किमी प्रति घंटा थी। हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुआ और तापमान 1,900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

एलन मस्क की कंपनी के फाल्कन-9 रॉकेट से पोलारिस डॉन मिशन को 10 सितंबर को लॉन्च किया था। पांच दिन के इस मिशन में चार एस्ट्रोनॉट जिस ऑर्बिट 1,408.1 किमी में गए थे, उसमें करीब 50 साल से ज्यादा समय से कोई एस्ट्रोनॉट नहीं गया था। किसी भी स्पेस मिशन का सबसे मुश्किल हिस्सा पृथ्वी पर लौटना होता है। सुरक्षित रूप से घर पहुंचने के लिए, क्रू ड्रैगन कैप्सूल ने डी-ऑर्बिट बर्न शुरू किया। करीब 27 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पेसक्राफ्ट ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया।

हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुई और तापमान 1,900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 4-मीटर चौड़े ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के नीचे लगी हीटशील्ड ने एस्ट्रोनॉट्स को इस तापमान से सुरक्षित रखा। जैसे-जैसे स्पेसक्राफ्ट नीचे आया उसकी रफ्तार को धीमा किया गया। इसकी रफ्तार को और कम करने के लिए पैराशूट खोले गए और पानी में लैंडिंग कराई गई। वहां एक स्पेशल बोट पर पहले से बचाव दल मौजूद था। एस्ट्रोनॉट्स को कैप्सूल से निकालने से पहले बचाव दल ने फाइनल सेफ्टी चैक की, फिर उन्हें पानी से जमीन पर लेकर आया गया।

इस मिशन का मकसद पहली प्राइवेट एक्स्ट्राव्हीकलर एक्टिविटी (स्पेसवॉक) था। साथ ही इंसानी स्वास्थ्य से जुड़ी 36 रिसर्च और एक्सपेरिमेंट भी इस मिशन में किए गए। 12 सितंबर को दो एस्ट्रोनॉट्स ने पृथ्वी से करीब 700 किलोमीटर ऊपर स्पेसवॉक की थी। मिशन कमांडर जेरेड आइसेकमैन और मिशन स्पेशलिस्ट सारा गिलिस करीब 10 मिनट के लिए स्पेसवॉक के लिए बाहर निकले थे। स्पेसवॉक के बाद स्पेसक्राफ्ट के हैच को बंद कर दिया गया। स्पेसवॉक के समय स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 25 हजार किमी प्रति घंटा थी।

खतरनाक इरादेः रूस और ईरान के बीच हुई डील से तिलमिला उठा अमेरिका और ब्रिटेन

वॉशिंगटन(ईएमएस)। रूस और ईरान के बीच हुई सीक्रेट डील ने अमेरिका और ब्रिटेन की नींद उड़ा दी है। दोनों ही देशों को गुप्त सूचना मिली है कि रूस और ईरान के बीच एक गुप्त समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत रूस,ईरान को परमाणु संपन्न देश बनाने में पूरी मदद करेगा। इसके लिए टेक्नोलॉजी दे रहा है, बदले में ईरान रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में बैलिस्टिक मिसाइलें दे रहा है। कुछ दिन पहले यूक्रेन ने पश्चिम सहयोगियों से विनती की थी कि उसे भी कम दूरी की मिसाइलों की मदद दी जाए क्योंकि रूस को ईरान से फतह-360 समेत कई बैलिस्टिक मिसाइलें मिल रही हैं। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध और युद्धविराम के प्रयासों के बीच अमेरिका और ब्रिटेन की सरकारों ने व्लादिमीर पुतिन के खतरनाक इरादों पर चिंता जताई है।

ब्रिटिश प्रधान मंत्री स्टार्मर और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे चिंताजनक माना है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता के अनुसार, बाइडेन का प्रशासन ईरान की परमाणु गतिविधियों से बहुत चिंतित है। प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि बाइडेन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ईरान द्वारा किसी भी परमाणु वृद्धि को रोकने के लिए अमेरिका पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। उधर, रूस के विदेश मंत्रालय और वियना में ईरानी दूतावास ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। मामले से परिचित अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि क्रेमलिन (रूस) ने हाल के महीनों में परमाणु हथियार प्राप्त करने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर ईरान के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को एक संयुक्त बयान में कहा, एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी लंदन में बातचीत के दौरान इस बात पर सहमत हुए कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कभी भी इतना उन्नत नहीं था। उधर, ईरान इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाने पर विचार नहीं कर रहा है, हालांकि चिंता जरूर जताई कि वह इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के जवाब में उनका निर्माण कर सकता है। इससे पहले अमेरिका और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों ने रूस और ईरान के बीच नई डील को लेकर चिंता जताई थी।

बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने ग्राहकों की जरूरत अनुरूप खुद को ढालना चाहिएः सीईए

चेन्नई (ईएमएस)। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ग्राहकों की बदलती जरूरतों और बाजार में आ रहे बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम में आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंगः वृद्धि और रुझान' विषय पर अपने संबोधन में नागेश्वरन ने उद्योग में वृद्धि और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के महत्व को रेखांकित किया। बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार सीईए ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बैंकों को बदलती ग्राहक प्राथमिकताओं और बाजार की गतिशीलता के अनुरूप खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने ज्ञान साझा करने और उत्कृष्टता में निवेश करने के प्रयासों के लिए इंडियन बैंक की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के बैंक के एमएसएमई प्रेरणा कार्यक्रम को भी सराहा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एसएल जैन ने अपने संबोधन में कहा ?कि डॉ. नागेश्वरन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र पर इसके प्रभाव को लेकर अपने जो विचार साझा किए गए हैं, उसका सभी भागीदारों को लाभ होगा।

पाकिस्तान में तेजी से फैल रहा मंकीपॉक्स, कई मामले सामने आए

कराची(ईएमएस)। पाकिस्तान में बढ़ते मंकीपॉक्स के मामलों ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। अब तक पांच मामले सामने आए हैं। लेकिन बताया ये जा रहा है कि इसके अलावा कई मामले ऐसे हैं जो अस्पताल तक पहुंचे ही नहीं हैं और मरीजों की मौत हो गई। जबकि कुछ लोग अस्पताल से ज्यादा घर के इलाज को महत्व दे रहे हैं। वहीं कराची के जिन्ना एयरपोर्ट में एक संदिग्ध मरीज मिला है। खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश मरीज सऊदी अरब से लौटे हैं। आइसोलेशन में इनका इलाज चल रहा है। पाकिस्तान सरकार ने मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। यात्री को सिंध सरकार द्वारा संचालित आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। यहां उसकी अन्य जांच की जाएगी। इसी सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंकीपॉक्स का पांचवा मामला सामने आया था।एक अधिकारी के हवाले से बताया कि 33 वर्षीय पीड़ित खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर का रहने वाला है।

उधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एमपॉक्स की पहली वैक्सीन को हरी झंडी दिखाई है। यह वैक्सीन वयस्कों की खातिर होगी। यह वैक्सीन बवेरियन नार्डिक कंपनी की है। अभी इसकी आपूर्ति सीमित होगी। मगर यूनिसेफ जैसे संगठन इसे खरीद सकेंगे। अधिकारी ने बताया कि 7 सितंबर को सऊदी अरब से पाकिस्तान लौटने पर खैबर टीचिंग अस्पताल ने पुष्टि की कि उसे मंकीपॉक्स है। कासिम अली शाह के अनुसार मरीज को लोअर दीर स्थित उसके घर में आइसोलेशन में रखा गया है।पाकिस्तान के नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ हेल्थ ने मंकीपॉक्स के अभूतपूर्व प्रकोप के बारे में तत्काल चेतावनी भेजी। दुनिया के कई देशों में मंकीपॉक्स ने कहर बरपा रखा है। मंकी पॉक्स को अब एमपॉक्स के नाम से जाना जाता है। भारत में भी एमपॉक्स का एक संदिग्ध मामला सामने आ चुका है। इस बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों को इससे जुड़ी जानकारी साझा की है।

चीन की मदद से रुस ने बनाए खतरनाक ड्रोन! यूक्रेन में मचाई तबाही

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस और चीन के बीच बढ़ती दोस्ती अब सैन्य मदद के रूप में सामने आ रही है। हथियारों के लिए पहले ईरान पर निर्भर रूस अब चीन से भी आधुनिक तकनीक ले रहा है। हाल ही में रूस ने गार्पिया-ए1 नाम का एक लंबी दूरी का हमलावर ड्रोन तैयार किया है, जिसमें चीन के इंजन और पुर्जों का इस्तेमाल किया गया है। यह ड्रोन यूक्रेन में सैन्य और नागरिक ठिकानों पर तैनात किया गया है, जिससे यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और कई लोग मारे गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी हथियार निर्माता कंपनी अल्माज़-एंटे की सहायक इकाई आईईएमजेड कुपोल ने जुलाई 2023 से इस ड्रोन का उत्पादन शुरू किया था। 2024 तक 2,500 से ज्यादा ड्रोन तैयार करने का लक्ष्य था। गार्पिया-ए1 में चीन की तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। हालांकि, रूस की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों ने जानकारी दी कि गार्पिया-ए1 को यूक्रेन में तैनात किया गया है, जहां नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। यूक्रेन में गार्पिया के मलबे की तस्वीरें भी साझा कीं, हालांकि स्वतंत्र रूप से इन तस्वीरों की पुष्टि नहीं हो पाई है। इस ड्रोन से रूस ने यूक्रेन में अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने की कोशिश की है, विशेषकर अहम बुनियादी ढांचे और दूरस्थ ठिकानों पर हमला करने के लिए।

रूस के इस नए ड्रोन को बनाने के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को ईरान के शाहिद ड्रोन पर निर्भर रहना पड़ा था। ईरान से रूस को एक हजार से ज्यादा शाहिद ड्रोन मिले थे, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन के एयर डिफेंस को कमजोर करने और सैन्य ठिकानों पर हमले के लिए किया गया। हालांकि, ईरान ने इससे इनकार किया कि उसने रूस को यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल के लिए कोई ड्रोन दिया है। अब चीन के तकनीकी सहयोग से रूस ने गार्पिया-ए1 ड्रोन तैयार किया है, जो और भी ज्यादा घातक और सटीक मार करने में सक्षम है। यह रूस और चीन के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को भी दर्शाता है, जो पश्चिमी देशों के लिए चिंता की बात है।

रूस-यूक्रेन के बीच यूएई ने कराया समझौता, एक-दूसरे के बंदी सैनिकों को छोड़ा

मास्को,(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच राहत की खबर आई है। संयुक्त अरब अमीरात की कोशिश से हुए समझौते के तहत दोनों देशों ने 206 युद्धबंदियों की अदला-बदली की है। इस सौदे में रूस ने 103 यूक्रेनी सैनिकों को रिहा किया तो वहीं इतनी ही संख्या में यूक्रेन ने भी रूसी सैनिकों को छोड़ा है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने बंदी बनाए 103 रूसी सैनिकों को छोड़ दिया है। हमारी तरफ से भी बंदी बनाए गए 103 यूक्रेनी सैनिकों को वापस उनकी सीमा में भेज दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुताबिक अधिकांश यूक्रेनी युद्धबंदियों के साथ रूस में हिरासत के दौरान दुर्व्यवहार हुआ है और उन्हें यातनाएं भी दी गईं। वहीं बंधी बनाए गए रूसी सैनिकों के साथ भी दुर्व्यवहार की भी अलग-अलग खबरें समाने आ रही हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वापस आए सैनिकों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारे लोग अपने घर आ गए। हम अपने 103 योद्धाओं को रूसी कैद से सफलतापूर्वक वापस ले आए। मैं यूक्रेन को ऐसी अच्छी खबर देने के लिए हमारी एक्सचेंज टीम का धन्यवाद देता हूं। इन तस्वीरों में यूक्रेनी झंड़ों में लिपटे सैनिक एक-दूसरे के गले मिलते और फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं।

इस अदला-बदली की डील करवाने वाले संयुक्त अरब अमीरात की बहुत बड़ी भूमिका रही है। 2024 की शुरुआत के बाद से यह देश की आठवीं ऐसी मध्यस्थता थी। यूक्रेन के लोकपाल दिमित्रो लुबिनेट्स ने कहा हमनें अब तक 57 एक्सचेंजों में 3,672 यूक्रेनी सैनिको तो वापस पाया है, जबकि इतनी ही संख्या में रूसी सैनिकों को छोड़ा भी है। दोनों ही देशों ने पिछले महीने ही 100 से ज्यादा युद्ध बंधियों की अदला-बदली की थी।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यूक्रेनी सेना ने दो सप्ताह पहले रूस में अचानक हमला किया था, जिसमें 115 रूसी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र में पकड़ लिया था। मंत्रालय ने कहा था कि रिहा किए गए सैनिक फिलहाल बेलारूस में हैं। रूस और युक्रेन में चल रहे इस भीषण जंग को लेकर दुनियाभर के देश चिंतित हैं। पीएम मोदी ने भी दोनों देशों की यात्रा करके शांति की अपील की थी। पीएम मोदी इस महीने अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं, तो अगले महीने वह रूस की यात्रा पर जा रहे हैं। इन यात्राओं में शांति को लेकर बात हो सकती है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,01,552.69 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,282.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,30,490.20 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल ही रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,662.44 करोड़ रुपये बढ़कर 8,80,867.09 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 23,427.12 करोड़ रुपये बढ़कर 16,36,189.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 22,438.6 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,358.33 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 22,093.99 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,70,035.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,480.49 करोड़ रुपये बढ़कर 8,07,299.55 करोड़ रुपये पर और आईटीसी की 15,194.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,42,531.82 करोड़ रुपये हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 9,878.19 करोड़ रुपये बढ़कर 19,92,160.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 7,095.07 करोड़ रुपये बढ़कर 7,05,535.20 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के ?विपरीत भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 3,004.38 करोड़ रुपये घटकर 6,54,004.76 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और आईटीसी का स्थान रहा।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्री समूह के संयोजक होंगे वित्त राज्यमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर काम कर रहे मंत्री समूह (जीओएम) के संयोजक हो सकते हैं। इसमें राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि संदर्भ की शर्तें (टीओआर) और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी है। जीओएम को यह सुझाव देना होगा कि अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर एकत्रित उपकर को केंद्र और राज्यों के बीच कैसे बांटा जाएगा। साथ ही जीओएम इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के सदस्यों पर निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन चूंकि मुद्दा उपकर के संबंध में है, जो केंद्र द्वारा एकत्र किया जाता है, और इसका बंटवारा होगा, ऐसे में जीओएम में केंद्र से भी एक सदस्य होगा। आमतौर पर जीओएम के सबसेवरिष्ठसदस्य को इसका संयोजक बनाया जाता है। इसलिए, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के जीएसटी मुआवजा उपकर पर जीओएम के संयोजक होने की संभावना है।

बच्चों के लिए चलता है संचायिका नाम से एक बैंक

- पोस्ट ऑफिस में जमा होती हैं बचत

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय बचत संस्थान (एनएसआई) की ओर से हर साल 15 सितंबर को संचायिका दिवस के रूप में बनाया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को बैंकिंग और अकाउंटिंग सिस्टम की जानकारी देने के साथ उनमें सेविंग की आदत को बढ़ावा देना है, जिससे वे अपने भविष्य में सेविंग कर अच्छे नागरिक बन देश के विकास में योगदान दे सके। संचायिका एक धन प्रणाली है। कह सकते हैं कि इसके जरिए बच्चों को बचत का ककहरा सिखाया जाता है। बचत का महत्व समझ पाते हैं। इस योजना के तहत बच्चे खाते में पैसे जमा कर सकते हैं और उस पर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का विचार पहली बार 1960 के दशक में आया था। संचायिका नाम से एक बैंक भी है जो कि छात्रों द्वारा छात्रों के लिए चलाया जाता है। राष्ट्रीय बचत संस्थान की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक संचायिका बैंक में छात्रों द्वारा एकत्रित की जाने वाली राशि पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट मे जमा किया जाता है। इस खाते को बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा चलाया जाता है, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल या हेड मास्टर और स्कूल या कॉलेज के दो छात्र होते हैं। इस खाते के लिए छात्रों से संग्रह किसी एक निश्चित दिन किया जाता है और इसकी एंट्री भी पासबुक में की जाती है और फिर पासबुक को छात्रों को लौटा दिया जाता है। इस खाते में जमा राशि पर बच्चों को ब्याज भी दिया जाता है। संचायिका दिवस को केंद्र सरकार के ज्यादातर स्कूल और कॉलेजों में मनाया जाता है। इस दिन को छात्रों में बचत की आदत शुरू करने के दिन के रूप में देखा जाता है। इससे छात्र कम उम्र में ही पैसे बचाने के महत्व को समझ जाते हैं।

एमपॉक्स वैक्सीन को मिली मंजूरी

जिनेवा(ईएमएस)। दुनिया भर में एमपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने बवेरियन नॉर्डिक द्वारा विकसित की गई एमवीए-बीएन वैक्सीन को एमपॉक्स से बचाव के लिए मंजूरी दे दी है। यह वैक्सीन अब डब्ल्यूएचओ की प्री-क्वालिफिकेशन लिस्ट में शामिल कर ली गई है, जो इस बात का प्रमाण है कि यह वैक्सीन क्वालिटी, सेफ्टी और प्रभावशीलता के मानकों पर खरी उतरी है। इस मंजूरी के बाद, अब वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की उपलब्धता को बढ़ाने की दिशा में तेजी लाई जाएगी।रिपोर्ट के अनुसार, इस वैक्सीन का मूल्यांकन यूरोपियन मेडिसि

गणेश विसर्जन-इदे मिलाद दिवस के लिए वडोदरा में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

वडोदरा,15 सितंबर (प्रतिनिधि द्वारा)

ईद-ए-मिलाद और गणेश महोत्सव पर वडोदरा पुलिस सुरक्षाः पुलिस ने कल सोमवार को ईद-ए-मिलाद और मंगलवार को गणेश विसर्जन के मद्देनजर वडोदरा शहर में कड़ी सुरक्षा की योजना बनाई है। दोनों धर्मों के त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाएं, इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है. इसके अलावा सीसीटीवी समेत तकनीकी उपकरणों से भी पुलिस पैनी नजर रखेगी. राज्य के कुछ शहरों में गणेशोत्सव के दौरान पथराव की घटनाओं को लेकर पुलिस अधिक सतर्क हो गई है.

ईदे-मिलाद और गणेश विसर्जन के दिन बस्ती की सीधी निगरानी पुलिस आयुक्त द्वारा की जाएगी। जिसमें शहर के संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पांच पुलिस उपायुक्त, 12 सहायक पुलिस आयुक्त, 57 पीआई, 165 पीएसआई, 3200 पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे.

सुरक्षा के लिए वडोदरा के बाहर से 4 एसपी, 10 डीवाईएसपी, 35 पीआई, 60 पीएसआई, 600 पुलिसकर्मी, 2,250 होम गार्ड के जवान बुलाए गए हैं। जबकि एसआरपी की 6 कंपनियां और रैपिड एक्शन फोर्स की एक कंपनी भी बुलाई गई है.

शहर में अड़ियल तत्वों को घेरने के लिए निवारक कदम उठाए गए हैं। साथ ही संवेदनशील इलाकों में लगातार पैदल गश्त की जा रही है. पुलिस आयुक्त ने दोनों त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाए जाने को सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशनों में शांति समिति की बैठकें और दोनों धर्मों के नेताओं के साथ बैठकें आयोजित की हैं।

जहां तक निपटान के लिए मुख्य स्थानों का सवाल है, खोडियार नगर, लेप्रेसी ग्राउंड, सरदार एस्टेट, हरनी-सामा कृत्रिम झील, सोमा झील, मंजलपुर श्मशान के पास प्लॉट, गोत्री प्रिया सिनेमा के पास, नवलखी कृत्रिम झील और गोरवा दशमा में व्यवस्था की गई है। झील। कल, सोमवार, ईद मिलाद पर, सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वडोदरा के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 49 जुलूस निकलेंगे।

डभोई रोड पर स्नैक लॉरी चला रहे एक जोड़े ने एक रिक्शा चालक पर हमला कर दिया

15 सितम्बर (प्रतिनिधि द्वारा)

डभोई रोड अनसोया नगर में रहने वाले रिक्शा चालक रितेश सुरेशभाई पटेल ने कपूराई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कहा है कि 13 तारीख को मेरी सास पारुलबेन गोहिल को बीपी बढ़ने के कारण इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था जब मैं हॉस्पिटल के सामने अंडे की लॉरी से अंडे लेने गया तो अंडे की लॉरी पर एक आदमी और एक औरत खड़े थे, मैंने लॉरी वाले भाई से कहा कि आप अंडे गर्म करके उबाल लीजिये एक अंडे की कीमत 40 रुपये होगी। वह और उसकी पत्नी भड़क गए और मेरे साथ दुर्व्यवहार किया।

लॉरी वाले भाई ने लॉरी से चप्पू निकाला और मेरे सिर के पीछे, हाथ पर, चेहरे पर और दाहिने पैर के अंगूठे पर चोट पहुंचाई। इतने में लोग इकट्ठा हो गये और मुझे मुक्त कर दिया. मुझे पता चला कि इस लॉरी वाले भाई का नाम अजय शंकर भाई कहार और उसकी पत्नी का नाम जयश्रीबेन कहार दोनों निवासी शीतला माता महलो वारसिया हैं।

सूरत में 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात, पंडाल पर पथराव की घटना के बाद गणेश विसर्जन को लेकर तनावपूर्ण गतिरोध बना हुआ है.

सूरत ,15 सितंबर (प्रतिनिधि द्वारा)

ईद-ए-मिलाद और गणेश विसर्जन पर सूरत पुलिस की सुरक्षाः सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद राज्य पुलिस राज्य में गणेश विसर्जन और ईद-ए-मिलाद त्योहार के दौरान किसी भी घटना से बचने के लिए एक्शन मोड में है। ईद-ए-मिलाद और गणेश विसर्जन दोनों त्योहारों को देखते हुए शहर में भव्य व्यवस्था की गई है. शहर के अलग-अलग इलाकों में करीब 15,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. इस बीच सूरत पुलिस कमिश्नर शहर पर कड़ी नजर रखेंगे.

सूरत पुलिस कमिश्नर ने कहा है, 'सूरत शहर के अलग-अलग इलाकों में 15,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. इसके साथ ही राज्य रिजर्व पुलिस की 11 कंपनियां और रैपिड एक्शन फोर्स की एक कंपनी तैनात की जाएगी. रूट पर 400 ढाबों पर पुलिस तैनात की गई है. 12 ड्रोन कैमरे रखेंगे पैनी नजर. साथ ही अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.'

शहर में गणपति विसर्जन और ईद-ए-मिलाद त्योहार के दौरान सांप्रदायिक एकता बनाए रखने के लिए सूरत सिटी अडाजण पुलिस द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सूरत पुलिस कमिश्नर समेत आला अधिकारी और शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे.

जनता के लिए नहीं बल्कि पीएम मोदी के आगमन के बाद रातोंरात बदल गई गुजरात की सड़कें!

अहमदाबाद,15 सितंबर

पीएम मोदी का गुजरात दौराः बच्चों की कहानियों में सुना है कि जादू की छड़ी घुमाने से कोई जगह या इंसान बदल जाता है. सरकारी तंत्र के पास भी वही जादू की छड़ी है जो जगह बदल देती है। लेकिन इस जादू की छड़ी का इस्तेमाल आम लोग नहीं बल्कि सिर्फ तब करते हैं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले होते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 17 सितंबर तक जिन सड़कों से गुजरने वाले हैं, उन्हें दुर्गम बना दिया गया है.

जिन सड़कों को रातों-रात 'सुधार' दिया गया है उनमें एयरपोर्ट से वडसर एयरफोर्स स्टेशन, अहमदाबाद एयरपोर्ट से गांधीनगर, जीएमडीसी ग्राउंड, हेलमेट सर्कल रोड, दूरदर्शन केंद्र से ड्राइवइन रोड, सोला भागवत रोड शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि ड्राइव-इन रोड में जिस सड़क से महानुभाव जाने की योजना है, उसी सड़क को पॉलिशकिया गया है। जबकि इसके साम ने सड़क उसी जर्जर हालत में है।

बारिश के बाद गड्ढे वाली सड़क से एक आम आदमी ने त्राहिमाम चिल्लाया है. स्थिति यह है कि गड्ढे वाली सड़क के कारण कई लोगों को कमर दर्द की समस्या भी हो गयी है. सोशल मीडिया पर भले ही लोग इस तरह की सड़क का विरोध कर रहे हों, लेकिन अहमदाबाद नगर निगम का पेट नहीं फूल रहा था. लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले हैं तो उनके लिए रास्ता बदल गया है. एक आम आदमी जब अच्छी सड़क के लिए प्रस्ताव देने जाता है तो उसे नवरात्रि के बाद टेंडर पास करने जैसा असाधारण प्रतिसाद मिलता है। लेकिन जब गणमान्य लोग आने वाले होते हैं तो युद्ध स्तर पर दिन-रात सारी मशीनरी लगा दी जाती है और सुविधाएं तैयार कर दी जाती हैं ताकि उन्हें कोई दिक्कत न हो.

गुजरात में पीएसआई और लोक रक्षक भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण की तारीख घोषित

अहमदाबाद15 सितंबर, (प्रतिनिधि द्वारा)

गुजरात पीएसआई-लोकरक्षक शारीरिक परीक्षण तिथियां घोषितः गुजरात में पीएसआई और लोकरक्षक की भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण के संबंध में, राज्य पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने सोशल मीडिया माध्यम 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया है और जानकारी दी है कि, 'शारीरिक परीक्षण होगा। 15 सितंबर के आसपास शुरू करें।'

प्रदेश में लाखों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। गुजरात पुलिस भर्ती की घोषणा के बाद, उम्मीदवारों ने पीएसआई और लोकरक्षा में अपने चयन की तैयारी शुरू कर दी है, राज्य पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने पोस्ट साझा किया और कहा, 'पीएसआई और लोकरक्षा भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण 15 सितंबर के आसपास शुरू होगा। उसके तुरंत बाद लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। उम्मीदवार तैयारी शुरू कर दें. बिना तैयारी के फिजिकल टेस्ट देना उचित नहीं है। इससे शारीरिक परेशानियां हो सकती हैं।'

राज्य सरकार के गृह विभाग ने पुलिस बल में पीएसआई, लोकरक्षक, जेल सिपाही सहित विभिन्न पदों के लिए12,472पदोंपरभर्ती की घोषणा की है। जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया 4 अप्रैल2024 से शुरू हो गई थी।

अगले दो दिनों तक इन जिलों में भारी बारिश का अनुमान, शुरू होगा एक और दौर

अहमदाबाद 15 सितम्बर(प्रतिनिधि द्वारा)

आईएमडी बारिश का पूर्वानुमानः मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक राज्य में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है. जिसमें 16-17 सितंबर को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी. जबकि 18 से 21 सितंबर तक कच्छ को छोड़कर सभी जिलों में मध्यम बारिश होगी.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 16-17 सितंबर को राज्य मेंदो बारिश सिस्टम सक्रिय हैं, कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, जामनगर, देवभूमि द्वारका,पोरबंदर,जूनागढ़,गिर सोम नाथ,अमरेली, राजकोट, बोटाद, भाव नगर, बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, साबरकांठा, अरावली, खेड़ा, आनंद, वडोदरा, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। , नवसारी, वलसाड जिले।

जबकि राज्य में मानसून का मौसम शांत है, मौसम विभाग ने 21 सितंबर तक राज्य के अधिकांश छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। जिसमें 18 से 21 सितंबर तक कच्छ को छोड़कर सभी जिलों में मध्यम बारिश होगी. ऐसे में राज्य में भारी बारिश का अनुमान नहीं है.

राज्य में अब तक मानसून सीजन की 124.99 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है। जिसमें कच्छ में 183.3 फीसदी, सौराष्ट्र में 129.74 फीसदी, दक्षिण गुजरात में 129.18 फीसदी, पूर्वी मध्य गुजरात में 121.03 फीसदी और उत्तरी गुजरात में 107.88 फीसदी बारिश दर्ज की गई है.

वडोदरा में अब तक शहर में 17,798 श्रीजी की मूर्तियों का विसर्जन किया जा चुका है

वडोदरा ,15 सितंबर (प्रतिनिधि द्वारा)

कल ईद-ए-मिलाद और अगले दिन गणेशोत्सव के समापन के मद्देनजर वडोदरा शहर में पुलिस बल द्वारा कड़ी सुरक्षा तैनात की गई है। दोनों धर्मों के त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाये जाने के लिए बाहर से भी पुलिस बल मंगाया गया है. इसके अलावा सीसीटीवी समेत तकनीकी उपकरणों से भी पुलिस पैनी नजर रखेगी।

शहर में 7 सितंबर से शुरू हुए गणेशोत्सव को देखते हुए पुलिस बल द्वारा घेराबंदी की गई है। अरा जक तत्वों को घेरने के साथ ही एहति याती कदम भी उठाए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में लगातार पैदल गश्त की जा रही है. दोनों समुदाय के लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए हर थाने में शांति समिति की बैठकें की जा रही हैं।

गणेशोत्सव के दौरान कुल 1,723 मूर्तियों का पुलिस में पंजीकरण किया गया है। इसके अलावा गली-मोहल्लों और घरों में भी श्रीजी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। डी.टी. 10वीं से अब तक कुल 259 मूर्तियाँ पाई गईं और विभिन्न जलाशयों में विसर्जित की गईं। जबकि बिना अनुमति (अपंजीकृत) घरों व गलियों में स्थापित 17,798 मूर्तियां विघटित कर दी गई हैं। जिनमें से (1) खोडियार नगर (2) लेप्रेसी ग्राउंड, सरदार एस्टेट) (3) हरनी - समा कृत्रिम झील (4) सोमा झील (5) मंजलपुर श्मशान के पास का प्लॉट (6) गोत्री प्रिया सिनेमा के पास (7) नवलखी कृत्रिम झील और (8) गोरवा दशमा झील मुख्य निर्वहन बिंदु थी। इसके अलावा अन्य छोटे-बड़े तालाबों में भी प्रतिमाएं विसर्जित की गईं।

मुख्य निर्वहन से एक दिन पहले ईदे-मिलाद का त्योहार होता है। दोनों त्योहारों के आते-जाते सांप्रदायिक एकता का माहौल बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कुमार ने शुरू से ही निर्देश दिया था कि प्रत्येक स्थानीय थाने में शांति समिति की बैठकें शुरू की जाएं. दोनों समुदाय के नेताओं के साथ बैठक कर दोनों त्योहार शांतिपूर्वक मनाने को कहा गया.

ईदे-मिलाद और गणेशोत्सव व्यवस्थाओं की निगरानी सीधे पुलिस आयुक्त करेंगे। एक संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पांच पुलिस उपायुक्त, 12 सहायक पुलिस आयुक्त, 57 पीआई और 3,200 पुलिस कर्मी शहर में मौजूद रहेंगे कर्मियों और 2,250 होम गार्ड कर्मियों को तैनाती के लिए बुलाया गया है। इसके अलावा एसआरपी की 6 कंपनियां और रैपिड एक्शन फोर्स की एक कंपनी भी बुलाई गई है.

कुछ स्थानों पर सोमवार को ईद के दिन भी श्रीजी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इसी के तहत दोनों कॉम के नेताओं के साथ बैठक की गई. सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक अलग-अलग इलाकों से ईद के जुलूस निकलेंगे. इस वर्ष कुल 49 जुलूस निकाले जायेंगे. इसके बाद श्रीजी की प्रतिमाओं के विखंडन को लेकर भी बैठक हो चुकी है.

वडोदरा में चोर-लुटेरे बेखौफ, 45 हजार की चनियाचोली ले गए चोर, मंगलसूत्र लूटा

वड़ोदरा,15 सितंबर (प्रतिनिधि द्वारा)

जहां देशभर में लोग गणेशोत्सव मना रहे हैं, वहीं त्योहार से पहले वडोदरा में चोर गिरोह सक्रिय हो गए हैं। शहर में एक ही दिन में तीन चोरियां होने से शहरवासी चिंतित हैं। जब परिवार गणपति के दर्शन करने गया तो चोरों के गिरोह ने घर का ताला तोड़कर 76 हजार के गहने चुरा लिए और फरार हो गए. दूसरी ओर, प्रोडक्टिविटी रोड पर एक चोर ने पास की दुकान का ताला तोड़कर 45 हजार की चनियाचोली चुरा ली.

वाघोडिया रोड, कैलास पार्क सोसायटी निवासी हार्दिक अजय कुमार सालगर मांजलपुर अल्वा नाका के पास फास्टेक लोन सर्विसेज के कार्यालयमें काम करते हैं। 13 सितंबर की रात साढ़े आठ बजे हार्दिक अपनी बहन और मां के साथ घर में ताला लगाकर गणपति दर्शन के लिए निकल गए. रात साढ़े ग्यारह बजे जब वे घरलौटे तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। घर में प्रवेश करने पर तिजोरी खुली थी और सामान बिखरा हुआ था। चोर गिरोह ने पांच तोला सोने के आभूषण और 76 हजार कीमत की चांदी की चेन चोरी कर लीं। पैनिगेट पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच की है।

दूसरी ओर, वडोदरा के वारसिया अंबिका नगर सोसायटी में रहने वाले करण हीरालाल लुधरानी की प्रोडक्टिविटी रोड पर मानसी कॉम्प्लेक्स में सुई-धागा की दुकान है। 13 सितंबर को वह दुकान बंद कर घर चला गया। अगली सुबह दुकान के सामने चाय बेचने वाले ने हीरालाल को फोन किया और कहा कि आपकी दुकान में चोरी हो गई है। दुकान पर जाने पर हीरालाल को पता चला कि चनियाचोली के कुल 90,000 पीस कीमत 45,000 की चोरी हो गयी है.

वडोदरा के दाभोई रोड स्थित वुडा के एक घर में रहने वाली जशोदाबेन दहयाभाई परमार अपने घर के सामने पत्तों की रेक चलाती हैं। उन्होंने वाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि कल शाम सात बजे मैं घर का काम खत्म कर बिस्तर पर बैठने गयी थी. मेरे पति स्टूल पर बैठे थे तो मैं सीढ़ियों पर बैठी थी. साढ़े सात बजे समीर जो हमारे वुडा हाउस में रहता था, आ गया। मैंने उससे पूछा, तुम क्या चाहते हो? फिर उसने कुछ नहीं कहा और मेरे गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। मैं चिल्लाया और लोग इकट्ठा हो गये. मेरे पति भी उसे पकड़ने के लिए पीछे भागे लेकिन तब तक वह भाग चुका था. करीब दो तोला वजनी और 90 हजार कीमत का मंगलसूत्र लेकर भागे समीर की पुलिस जांच कर रही है।

बेटे के जन्म दिन की पार्टी में माता की हार्ट अटैक से मौत

वलसाड (ईएमएस) वापी की एक होटल में हार्ट अटैक से एक महिला की मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब महिला के बेटे की होटल में पार्टी चल रही थी महिला की मौत से खुशी का माहौल मातम में बदल गया जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के वापी शहर की एक होटल में बच्चे की पार्टी चल रही थी 5 वर्षीय बच्चे के माता-पिता समेत नाते-रिश्तेदार बर्थ डे पार्टी में संगीत की धुन पर नाच रहे थे बच्चे का पांचवां जन्म दिन मना रही माता तो खुशी से फूली नहीं समा रही थी उसे कहां पता था कि वह आज के बाद फिर कभी अपने बेटे की जन्म दिन के पार्टी में शामिल नहीं हो पाएगी संगीत की ताल पर नाचते नाचते अचानक महिला को दिल का दौरा पड़ा और वह वहीं ढेर हो गई अपने जन्म दिन पर बेटे ने माता की छत्रछाया गंवा दी जहां कुछ देर पहले खुशी से सब झूम रहे थे, वहीं महिला की मौत से मातम पसर गया

देश के 1 करोड़ युवाओं को देश की 500 प्रीमियम कंपनियों में 1 साल की इंटर्नशिप -राजकोट में डॉ. मांडविया

राजकोट,15 सितंबर

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया आज राजकोट शहर पहुंचे. जहां पश्चिमी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जैसे महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली और लक्षद्वीप ने तीसरी क्षेत्रीय बैठक की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मौजूदा बजट युवाओं के रोजगार के लिए है. अगले 5 साल में 2 लाख करोड़ निवेश से 4 करोड़ नौकरियां पैदा की जाएंगी. जिसमें देश के 1 करोड़ युवाओं को देश की 500 प्रीमियम कंपनियों में 1 साल के लिए इंटर्नशिप दी जाएगी। बैठक में श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता दवारा उपस्थित थीं.

उन्होंने आगे कहा कि युवाओं में कौशल निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. जिसकी आज समीक्षा होनी है. 1 करोड़ युवा प्रीमियम संस्थानों में इंटरशिप करते हैं यानी वहां वर्ल्ड क्लास प्रैक्टिस करते हैं। जब वे कंपनी में काम करने जायेंगे तो एक अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति विकसित होगी। इसके साथ ही देश के युवाओं को रोजगार के लिए सिंगल विंडो सेवा प्रणाली का लाभ मिलेगा। जिसके लिए नेशनल करियर सर्विस पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल से अब तक 30 लाख कंपनियां जुड़ चुकी हैं. जिसमें कंपनियां किस तरह के कौशल की आवश्यकता है, इसकी जानकारी अपलोड करती हैं और जिन युवाओं के पास ये कौशल हैं, वे पंजीकरण करके कंपनी से जुड़ सकते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि आज की समीक्षा बैठक में आने वाले दिनों में श्रम सुधार पर चर्चा की गई, पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों ने अपने राज्यों के प्रदर्शन की समीक्षा करने और इस सम्मेलन के माध्यम से अपने राज्यों की समीक्षा करने के लिए आज की बैठक का आयोजन किया है. बैठक का आयोजन भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा किया गया है। डॉ। मंडाविया ने कहा कि श्रम सुधार, असंगठित श्रमिकों (एनडीयूडब्ल्यू), भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) पर ध्यान केंद्रित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यह बैठक भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर चल रही चर्चाओं की श्रृंखला का हिस्सा है। इसकी शुरुआत बेंगलुरु में दक्षिणी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ पहली क्षेत्रीय बैठक के आयोजन से हुई।

प्रदेश के सभी पुलिस प्रमुखों को कार्यालय में बैठ कर प्रस्तुतिकरण सुनने गृह राज्य मंत्री का आदेश

अहमदाबाद15 सितंबर

मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल के मार्गदर्शन में गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों के प्रमुख पुलिस अधिकारियों को प्रत्येक सोमवार और मंगलवार को कार्यालय में बैठकर प्रस्तुतिकरण सुनने का आदेश दिया है। आम नागरिक. इतना ही नहीं, कार्यालय प्रमुख पुलिस अधिकारियों को भी निर्देश दिया गया है कि इन दो दिनों के दौरान अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर कोई भी बैठक या अन्य कार्यक्रम आयोजित न करें.

इस फैसले से अब एक ऐसी व्यवस्था बनेगी जहां आम नागरिकों की ज्यादातर समस्याएं स्थानीय स्तर पर ही हल हो जायेंगी. इसके लिए पुलिस महानिदेशक और मुख्य पुलिस अधिकारी को सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करने की सलाह दी गई है.

यह निर्णय इस उद्देश्य से लिया गया है कि राज्य के दूरदराज के गांवों या दूरदराज के इलाकों के आम नागरिकों को अब अपने प्रतिनिधित्व के लिए गांधीनगर तक नहीं आना पड़ेगा और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान हो जाएगा। जिसके तहत कार्यालय के प्रभारी सभी पुलिस अधिकारियों को प्रत्येक सोमवार और मंगलवार को आवेदकों से मिलने के लिए निर्धारित समय आवंटित करना होगा।

इसके अलावा यदि अधिकारी बैठकों या अन्य कार्यक्रमों में व्यस्त नहीं हैं, तो आम नागरिक पूरे दिन कार्यालय में मिल सकते हैं, लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण दिखाया जाएगा। गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इस फैसले को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिये हैं.

मोहमद शहबाज ने हर्षित चौधरी बन 15 हिन्दू युवतियों को फंसाया, बेग चोरी में गिरफ्तार

- चोरी के आरोप में गिरफ्तार मोहमद शहबाज ने रेलवे पुलिस की पूछताछ में किया चौंकाने वाला खुलासा

अहमदाबाद (ईएमएस) रेलवे पुलिस ने बेग चोरी के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है जिससे पूछताछ में हुए खुलासे से रेलवे पुलिस चौंक गई गिरफ्तार शख्स पहले सेना में काम करता था, जहां से निकाले जाने के बाद मुस्लिम होने के बावजूद हिन्दू के तौर पर पहचान देकर 15 हिन्दू युवतियों को अपने प्रेमजाल में फांसकर उनसे रुपए ऐंठता था इतना ही नहीं विधर्मी शख्स विवाहित ही नहीं दो संतानों का पिता भी है दरअसल एक यात्री ने बेग चोरी होने पर रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी जिसके आधार पर रेलवे पुलिस ने जांच की और हर्षिद चौधरी नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया पुलिस को हर्षित के पास से सेना का पहचान पत्र, आधार कार्ड और पान कार्ड भी मिला हालांकि पूछताछ में कुछ सवालों के उचित जवाब नहीं मिलने पर रेलवे पुलिस ने हर्षित चौधरी से सख्ती की जिसके बाद हर्षित ने जो बताया उसे सुनकर रेलवे पुलिस भी चौंक उठी हर्षित चौधरी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का निवासी है और उसका असली नाम हर्षित नहीं बल्कि मोहमद शहबाज है मोहमद के पिता निवृत्त आर्मीमेन हैं, जबकि उसका भाई वायुसेना में सेवारत है दो बच्चों का पिता मोहमद शहबाज पहले सेना में नौकरी करता थी वर्ष 2015 से वर्ष 2024 तक उसने जम्मू-कश्मीर, सिलीगुडी, गुजरात, मुंबई, दिल्ली, अलीगढ़ समेत अलग अलग राज्यों में सेना की ओर से तैनात किया गया करीब दो-तीन महीने पहले ही मोहमद शहबाज को मेडिकल ग्राउंड पर सेना से निकाल दिया गया 10वीं तक शिक्षा प्राप्त करने वाले मोहमद शहबाज को स्पोर्ट्स कोटा से सेना में नौकरी मिली थी रेलवे पुलिस को हर्षित के पास से मिले आधार कार्ड में उसे राजस्थान के भरतपुर का निवासी बताया गया है हर्षित ने बताया कि आधार कार्ड समेत उसने अन्य डॉक्युमेंट नकली बनवाए थे हर्षित चौधरी ने फर्जी डॉक्युमेंट के आधार पर बैंक में खाता खुलवाया था और रेल या विमान से यात्रा करता था इस खुलासे के बाद बैंक ने भी हर्षित चौधरी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी है पूछताछ में खुलासा हुआ कि धनाढय हिन्दू युवतियों और महिलाओं को फांसकर उनसे रुपए ऐंठने के लिए मोहमद शहबाज हिन्दू बनकर घूम रहा था जांच में पता चला कि हर्षिद चौधरी ने अब तक 15 जितनी हिन्दू युवती और महिलाओं का विश्वास संपादित कर उनके साथ ना सिर्फ शारीरिक संबंध बनाए बल्कि उनसे रुपयों का भी लेन-देन किया है मुस्लिम और विवाहित होने के बावजूद हर्षित ने शादी डॉट कॉम पर हिन्दू और आर्मी के मेजर के तौर पर अपनी पहचान देकर एकाउंट खुलवाया था जिसके आधार पर हर्षिद धनाढय हिन्दू महिलाएं और युवतियों से संपर्क करता और उनसे पहले बातचीत करता और बाद में रुपयों की लेन-देन शुरू करता शुरुआत में महिलाओं का भरोसा जीतने के लिए उन्हें रुपए देता और बाद में खुद की जरूरत बताकर दिए गए रुपयों से अधिक रकम ऐंठ लेता हर्षित के बैंक एकाउंट की जांच में अलग अलग एकाउंट से करीब 50 लाख रुपए के ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ है पूछताछ में हर्षित ने बताया कि वह अब तक 15 जितनी हिन्दू महिला और युवतियों को अपने प्रेमजाल में फांस चुका है जिसमें ज्यादातर के साथ हर्षिद वित्तीय लेन-देन भी किया था इतना ही नहीं कई युवतियों को तो हर्षित शादी करने तक की लालच दे चुका है जिसमें एक-दो युवतियों ने हर्षित का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और उनके परिवार से भी मिला जिब युवती का परिवार हर्षित को उसके परिवार से मिलाने की बात तो वह अलग अलग बहाने बनाता हर्षित ने एक युवती को अपनी बहन बना रखा है, जो हर्षित से शादी के लिए तैयार युवती के परिवार के साथ बातचीत करती थी हर्षित विवाहित होने के बावजूद एक हिन्दू महिला के साथ संबंध बनाए थे और इस मामले में अलीगढ़ के एक पुलिस थाने में दुष्कर्म और ठगी का केस दर्ज है इसके अलावा अहमदाबाद में दो मामले दर्ज हैं हर्षित से पूछताछ में हुए चौंकाने वाले खुलासे के बाद रेलवे पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है

गुजरात दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे पीएम मोदी का राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर अहमदाबाद पहुँचे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का ऊष्मापूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री तथा प्रदेश भाजपाअध्यक्षसी. आर. पाटिल, प्रोटोकॉल मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग(जीएडी) के अपर मुख्य सचिवकमलदयाणी,पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर सुश्री प्रवीणा डी.के., मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी संकेत सिंह, वरिष्ठ अधिकारियों तथा अफसरों ने भी प्रधानमंत्री का अभिवादन कर उनका स्वागत किया।

पैलेट्रो लिमिटेड का आईपीओ 16 सितंबर 2024 को खुलेगा

कुल निर्गम आकार - 27.99 लाख शेयर, प्रत्येक रू. 10 के इक्विटी शेयर बुक बिल्ट इश्यू साइज- रू. 55.98 करोड़ मूल्य बैंड – रू. 190-रू. 200 प्रति शेयर लॉट साइज़ - 600 इक्विटी शेयर द नेशनल, 14 सितंबर, 2024

हमारा एक वैश्विक प्रौद्योगिकी व्यवसाय है और हमने एक व्यापक ग्राहक सहभागिता मंच यानी mViva विकसित किया है जो किसी उद्यम या ब्रांड और उसके अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच ग्राहक-केंद्रित बातचीत को सशक्त बनाता है। हमारा प्लेटफ़ॉर्म उद्यमों को अपने ग्राहकों के व्यवहार और अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ उनके रिश्ते और संतुष्टि को बढ़ाने की ज़रूरतों को गहराई से समझने में सक्षम बनाता है। हमारा उपभोक्ता मंच mViva 30 देशों में लगभग एक अरब उपभोक्ताओं के बीच दैनिक आधार पर प्रत्येक उद्यम के लिए भारी मात्रा में डेटा एकत्र और संसाधित करता है। mViva ग्राहक सहभागिता प्लेटफ़ॉर्म में विभिन्न वर्टिकल समाधान शामिल हैं जो प्लेटफ़ॉर्म में सहजता से एकीकृत हैं और ऐसे उत्पाद पेश करते हैं जिनमें अभियान प्रबंधन समाधान, लॉयल्टी प्रबंधन समाधान, लीड प्रबंधन समाधान और डेटा मुद्रीकरण समाधान शामिल हैं।

पैलेट्रो लिमिटेड ने 16 सितंबर, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। इसका लक्ष्य एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के साथ फंड को रू.55.98 करोड़ तक बढ़ाना है। यह इश्यू रू.10 के अंकित मूल्य पर 27.99 लाख इक्विटी शेयरों तक का है।

इश्यू के उद्देश्य (पैल्ट्रो आईपीओ उद्देश्य): कंपनी इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करना चाहती हैः

हमारी कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए; आईटी उपकरण, कंप्यूटर हार्डवेयर, सर्वर और अन्य सहायक उपकरणों की खरीद और स्थापना; सहायक कंपनी में निवेश;कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य। क्युमुलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड पैलेट्रो लिमिटेड आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। पैलेट्रो लिमिटेड के लिए बाजार निर्माता श्री बाहुबली स्टॉक ब्रोकिंग है।

श्री सुभाष मेनन ने कहा, हमें एनएसई इमर्ज के लिए अपने आगामी आईपीओ की